शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 234 | गुवाहाटी | शनिवार, 23 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कामरूप (एम) प्रशासन ने 26 मार्च को स्थानीय अवकाश की घोषणा की पेज 2
पीएम नरेंद्र मोदी के साथ जनता है : भवेश कलिता पेज 3
मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा मतदान के लिए सुरक्षित और डर रहित ... पेज 5
गले में भगवा गमछा, राम भक्ति में लीन, आईपीएल 2024 से पहले ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विचार अथवा मंत्रणा को गुप्त न रखने पर कार्य नष्ट हो जाता है।
– **आचार्य चाणक्य**

केजरीवाल दस दिनों की ईडी हिरासत में

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 10 दिनों की ईडी हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने केजरीवाल को दस दिनों के लिए हिरासत में भेजने की मांग की थी। ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि अरविंद केजरीवाल शराब नीति घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता हैं। ईडी को केजरीवाल के घर पर छापेमारी में कई अहम दस्तावेज मिले हैं। इन दस्तावेज से पता चला है कि केजरीवाल ईडी अधिकारियों की जासूसी कर रहे थे। राजू ने कहा कि विजय नायर केजरीवाल के पास दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत को दिए गए घर में रह रहे थे। नायर ने साउथ ग्रुप और आम आदमी पार्टी के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई। अरविंद केजरीवाल ने साउथ ग्रुप से रिश्वत मांगी थी। इस बात की पुष्टि बयानों से होती है। केजरीवाल ने के. कविता से भी मुलाकात की थी। राजू ने कहा कि अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी की प्रमुख गतिविधियों को संचालित करते हैं। वे पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हैं। उन्होंने कहा कि आबकारी नीति को आम आदमी पार्टी के गोवा चुनाव में फंडिंग के लिए बदला गया। राजू ने कहा कि पैसे के लेन-देन की पूरी पड़ताल के लिए अरविंद केजरीवाल को दूसरे आरोपितों के सामने बैठाकर पूछताछ करनी है। उन्होंने कहा कि आबकारी घोटाला मामले में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को मिटाया गया है। कई फोन नष्ट किए गए या -शेष पृष्ठ दो पर

यह उनके कर्मों का नतीजा : अन्ना हजारे

मुंबई (हि.स.)। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर कहा है कि यह उनके कर्मों का नतीजा है, जो उन्हें भुगतना ही पड़ेगा। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि चुनाव से पहले इस तरह किसी नेता की गिरफ्तारी इससे पहले कभी नहीं हुई थी। भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। मुंबई सहित राज्य में आप पार्टी सहित विपक्ष ने कई जिलों में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन किया है। दक्षिण मुंबई में स्थित भाजपा मुख्यालय के आस-पास पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने 2010 की शुरुआत में अरविंद केजरीवाल के साथ दिल्ली में लोकपाल के समर्थन में आंदोलन किया था। इसके बाद अरविंद केजरीवाल ने अन्ना हजारे से अलग होकर आप पार्टी गठित की और राजनीति में आ गए। गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद शुक्रवार को -शेष पृष्ठ दो पर

इसरो का *पुष्पक* सफल, स्पेस मिशन की लागत कम होगी 10 गुना

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का शुक्रवार को सुबह लॉन्च व्हीकल *पुष्पक* का परीक्षण पूरी तरह कामयाब रहा। पुष्पक को भारतीय वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर ने 4.5 किमी. की ऊंचाई से हवा में छोड़ा। इसरो का यह शटल बार-बार अंतरिक्ष में जाकर सुरक्षित धरती पर लौट सकता है। कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने खुद ही आधा घंटे बाद जमीन पर लैंड किया। इसरो ने एक बयान में बताया कि इस रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ऑटोनॉमस लैंडिंग मिशन को आज सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर कर्नाटक के चित्रदुर्ग के एटीआर से संचालित किया गया। आरएलवी लेक्स-2 को भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाकर 4.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर छोड़ा गया। इसके -शेष पृष्ठ दो पर

धुबड़ी में बस-यात्रा के दौरान गोलीबारी एक घायल

धुबड़ी। धुबड़ी जिले के पनबारी इलाके में गोलीबारी की एक घटना शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। गोली से खिड़की का शीशा टूटकर उसमें सवार एक यात्री घायल हो गया। बस, जो कोकराझाड़ जिले के तुलसीबील से धुबड़ी जा रही थी, पानबाड़ी और सुपारीघाट के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर चल रही थी जब यह घटना घटी। घायल यात्री बस की खिड़की में लगी रहस्यमय गोलियों की चपेट में आ गया। अधिकारी फिलहाल -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय : कांग्रेस ने टीएमसी से गठबंधन तोड़ा

शिलांग। लोकसभा चुनाव से पहले पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में विपक्षी दल कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच घमासान चल रहा है। राज्य के कांग्रेस अध्यक्ष विंसेंट एच पाला ने कहा है कि कांग्रेस मेघालय में टीएमसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि टीएमसी नेता मुकुल सांग्मा लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में शामिल हो जाएंगे। दरअसल, सांग्मा के नेतृत्व में कांग्रेस के ग्यारह विधायक 2022 में टीएमसी में शामिल हो गए -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

तीन अपहृत श्रमिक रिहा

गुवाहाटी। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (आई) ने 18 फरवरी को अपहृत तीन खनिकों की रिहाई की घोषणा की है। समूह के प्रवक्ता रुमेल असम ने एक बयान में खुलासा किया कि ज्ञान थापा, लेखन बोरा और चंदन नार्जारी को नामपोंग, अरुणाचल प्रदेश में आज सुबह 10 बजे लोंगवी के पास लालपुल में मुक्त कर दिया गया। हालांकि कथित रिहाई के बावजूद, खनिकों के ठिकाने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता में आप और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गुरुवार रात गिरफ्तार किया। 24 घंटे से भी कम समय में विरोध की आंच कोलकाता तक पहुंच चुकी है। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में ईडी की कार्रवाई और केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। रिपोर्ट के मुताबिक -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी को भूटान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

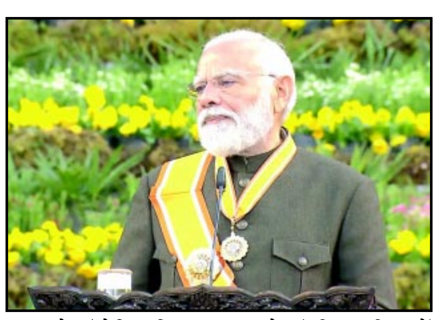

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान *ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो* से सम्मानित हुए। उन्होंने सम्मान के प्रति आभार प्रगट करते हुए इसे 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया। दो दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को भूटान पहुंचे प्रधानमंत्री ने सम्मान के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सम्मान मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, ये भारत और 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। भूटान की इस महान भूमि पर मैं सभी भारतवासियों की ओर से ये सम्मान नम्रता से स्वीकार करता हूं। इस सम्मान के लिए आप सभी का हृदय से कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-भूटान की साझेदारी केवल जमीन और पानी तक ही सीमित नहीं रही है। भूटान अब अपने अंतरिक्ष अभियानों में भारत का भागीदार है। भूटान के वैज्ञानिकों ने इसरो के साथ मिलकर सैटेलाइट लॉन्च किया है। उन्होंने कहा कि भारत -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव वाले जिलों में होली की छुट्टी नहीं : आयोग

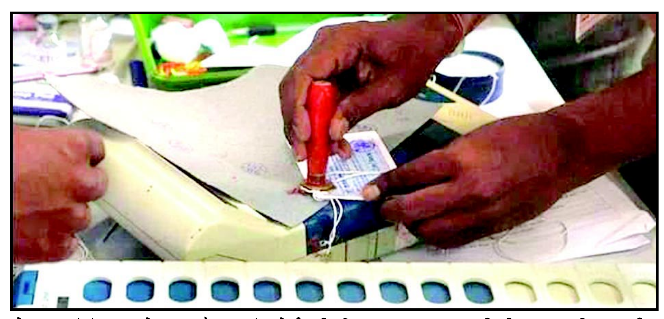

सिलचर। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने असम सरकार को निर्देश दिया है कि वह 26 मार्च को सभी चुनाव वाले जिलों में होली त्योहार मनाने के लिए छुट्टी घोषित न करें। हालांकि अन्य जिले जहां दूसरे और तीसरे चरण में चुनाव हो रहे हैं, उन्हें इसकी अनुमति है। असम सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त और सचिव एमएस मणिवन्नन ने 21 मार्च को राज्य के सभी उपायुक्तों को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की। भारत के चुनाव आयोग ने पहले ही आम चुनाव कराने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है और पहला चरण 19 मार्च, 2024 को है। ईसीआई के आदेश के अनुसार, यह निर्देश दिया गया है कि जिन जिलों में चुनाव हो रहा है, वहां कोई भी जिला आयुक्त (डीसी) नहीं जाएगा। पहले चरण में आगामी दोल यात्रा (होली) के कारण 26 मार्च 2024 को स्थानीय अवकाश घोषित किया जा सकता है, क्योंकि यह नामांकन प्रक्रिया को प्रभावित करेगा। असम की 14 लोकसभा सीटों पर 2024 के लोकसभा चुनाव तीन चरणों में होंगे – 19 और 26 अप्रैल एवं 7 मई। काजीरंगा, शोणितपुर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़ और जोरहाट सहित पांच सीटों पर पहले मतदान होगा। पिछले साल चुनाव आयोग के परिसीमन के बाद काजीरंगा नई सीट के रूप में उभरी। जबकि कलियाबोर सहित कुछ पुरानी सीटें, जहां से कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने 2014 और 2019 में जीत हासिल की थी, समाप्त कर दी गईं। काजीरंगा में तीन जिलों – नगांव, होजाई और गोलाघाट के 10 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इसका मतलब है कि शोणितपुर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़ और जोरहाट, बाकी तीन अन्य जिलों – नगांव, होजाई और गोलाघाट को होली त्योहार पर स्थानीय -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी ने केजरीवाल को सत्ता के अहंकार में गिरफ्तार करवाया : सुनीता

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पत्नी सुनीता केजरीवाल की पहली बड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। सुनीता केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि आपके 3 बार चुने हुए मुख्यमंत्री को मोदीजी ने सत्ता के अहंकार में गिरफ्तार करवाया। सबको क्रश करने में लगे हैं। यह दिल्ली के लोगो के साथ धोखा है। आपके मुख्यमंत्री हमेशा आपके साथ खड़े रहें हैं। अंदर रहें या बाहर, उनका जीवन देश को समर्पित है। जनता जनार्दन है सब -शेष पृष्ठ दो पर

भरुच के शंकराचार्य मठ में आग लगाने की कोशिश

भरुच। गुजरात के भरुच में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने एक शंकराचार्य मठ में आग लगाने की कोशिश की। एक पुलिस अधिकारी ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि व्यक्ति ने मठ के महंत को जान से मारने की धमकी भी दी। भरुच जिले के पुलिस अधीक्षक मयूर चावड़ा ने कहा कि इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। अपराधी को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पूरी घटना सीसीटीवी में कैद है। पुलिस अधीक्षक मयूर चावड़ा ने आगे कहा कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे एक व्यक्ति ने आग लगाने की कोशिश करते हुए मठ के दरवाजे पर कुछ सामग्री फेंकीं। उसकी यह हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हमने मामले की जांच के लिए कई टीमों का गठन किया है। इस संबंध में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि काले कपड़े और सफेद टोपी पहने एक व्यक्ति ने मठ के दरवाजे की ओर कुछ फेंका। फिर वह दरवाजे के पास आया और आग लगा दी। आग लगाने से पहले उसने एक कागज के तीन-चार टुकड़ों को दरवाजे की तरफ फेंका। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कागज में धमकी भरा संदेश था, जिसमें लिखा था कि गुस्ताख पीर की सजा, सर तन से जुदा। मठ के महंत मुक्तानंद स्वामी ने बताया कि घटना के दौरान वह वहीं मौजूद थे। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य मठ और आसपास के दो मंदिर द्वारका शारदा पीठ के अंतर्गत आते हैं। यह पीठ आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार प्रमुख *पीठ* में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि जब मैं सुबह करीब पांच बजे पास के -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आयोग से मिला विपक्षी दलों का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली (हि.स.)। विपक्षी दलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने देश में केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज के तौर तरीके को लेकर आयोग के समक्ष अपनी बात रखी। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस, वामदल, तृणमूल, आप, द्रमुक और अन्य पार्टियों के प्रतिनिधि थे। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि चुनाव के लिए लेवल प्लेयिंग फील्ड की जरूरत होती है। ऐसे समय में एजेंसियों का -शेष पृष्ठ दो पर

असम में जमीन की बिक्री के लिए एनओसी तीन माह के लिए निलंबित

गुवाहाटी। आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान संभावित सांप्रदायिक तनाव को रोकने के लिए असम सरकार ने विभिन्न धार्मिक संबद्धताओं के व्यक्तियों से जुड़ी भूमि बिक्री के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने पर अस्थायी निलंबन की घोषणा की है। यह निर्णय तीन महीने के लिए प्रभावी रहेगा। धार्मिक समुदायों के बीच भूमि हस्तांतरण में धोखाधड़ी के प्रयासों को उजागर करने वाली खुफिया जानकारी के जवाब में यह घोषणा आया है। राजस्व और आपदा प्रबंधन (पंजीकरण) विभाग द्वारा 7 मार्च को जारी अधिसूचना, सांप्रदायिक संघर्ष को बढ़ावा देने के लिए ऐसे लेनदेन का फायदा उठाने वाले निहित स्वार्थों पर चिंताओं को रेखांकित करती है। इस कदम का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया के दौरान कानून -शेष पृष्ठ दो पर

फ्यूचर गेमिंग ने दिया सबसे ज्यादा टीएमसी और डीएमके को चंदा

नई दिल्ली। सबसे ज्यादा चुनावी बॉन्ड खरीदने वाली कंपनी फ्यूचर गेमिंग ने वैसे तो देश की तकरीबन हर प्रमुख राजनीतिक पार्टी को चंदा दिया है, लेकिन विपक्षी दलों पर इसकी खास नजरें इनायत रही हैं। लंबे समय से विवादों में घिरी और जांच एजेंसियों के निशाने पर रहे *लाटरी किंग* सैंटियागो मार्टिन की कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज ने अप्रैल, 2019 से लेकर जनवरी, 2022 के बीच कुल 1,368 करोड़ रुपए विभिन्न राजनीतिक दलों को बॉन्ड के जरिये उपलब्ध कराए हैं। ताज्जुब की बात यह है कि कोयंबटूर स्थित इस कंपनी ने सबसे ज्यादा 542 करोड़ की रकम तृणमूल कांग्रेस को दिया है। दूसरे स्थान पर द्रमुक है, जिसे कंपनी ने 503 करोड़ रुपए दिए हैं। फ्यूचर गेमिंग ने देश के दो सबसे बड़े राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस को क्रमशः 100 करोड़ रुपए और 50 करोड़ रुपए ही दिए हैं। इसने सिक्किम की दो राजनीतिक पार्टियों सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को भी चंदा दिया है। ध्यान रहे कि सबसे ज्यादा विवाद इसे लेकर ही था और कहा जा रहा था कि ईडी की कार्रवाई रोकने के लिए भाजपा को इसने चंदा दिया। लेकिन, आंकड़ा कुछ और बता रहा है। चुनावी बॉन्ड को लेकर भारतीय स्टेट बैंक द्वारा सौंपे गए विवरण को चुनाव आयोग ने गुरुवार शाम को सार्वजनिक कर दिया। कई पन्नों मे सिमटे हुए इस ब्योरे की पड़ताल अभी होती रहेगी क्योंकि किस कंपनी ने किस पार्टी को बॉन्ड के जरिये चंदा दिया है, यह जानकारी एक जगह नहीं है। एक सूत्र ने देर रात इसकी जांच पड़ताल से जो सूचनाएं बाहर निकाली हैं, उनसे साफ है कि लाटरी किंग सैंटियागो मार्टिन की कंपनी चुनावी चंदा देने में सबसे तत्पर दिखाई देती है। वर्ष 2019 से जनवरी, 2024 तक इस कंपनी ने एक-एक करोड़ के कभी दो सौ तो कभी पांच बॉन्ड खरीदे हैं और फिर इन्हें राजनीतिक दलों की तरफ से भुनाया गया है। मार्टिन को देश का सबसे बड़ा लाटरी किंग कहा जाता रहा है। लॉटरी के कारोबार पर सीएजी की एक रिपोर्ट (वर्ष 2017) में इस कंपनी की गलत गतिविधियों को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कामरूप (एम) प्रशासन ने 26 मार्च को स्थानीय अवकाश की घोषणा की

गुवाहाटी। कामरूप (महानगर) में राज्य सरकार के कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान 26 मार्च को दोल यात्रा और होली के कारण बंद रहेंगे, जैसा कि गुरुवार को एक आधिकारिक अधिसूचना में पुष्टि की गई है। असम सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 21 मार्च को जारी अधिसूचना में 26 मार्च को कामरूप (महानगर) जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। असम के राज्यपाल दोल यात्रा (होली) महोत्सव के कारण कामरूप (मेट्रो) जिले के अधिकार क्षेत्र में 26 मार्च 2024 को स्थानीय अवकाश घोषित करते हुए प्रसन्न हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि कामरूप (मेट्रो) के भीतर सभी राज्य सरकार के कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस अवकाश के कारण जिला 26 मार्च 2024 को बंद रहेगा। इसके अलावा जिले के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी वित्तीय संस्थान भी इस अवसर पर बंद रहेंगे। इसमें लिखा है कि एनआई अधिनियम, 1881 (1881 का XXIV) की धारा 25 के तहत कामरूप (मेट्रो) जिले के भीतर सभी वित्तीय संस्थान, भारत सरकार, गृह मंत्रालय अधिसूचना संख्या 20/25/पब -1 दिनांक 8 जून के साथ पढ़ें 1957 भी इस छुट्टी के कारण बंद रहेगा। दोल पूर्णिमा, जिसे दोल जात्रा, दोल उत्सव या दोल भी कहा जाता है, एक हिंदू त्योहार है। यह होली उत्सव के दौरान ब्रज, राजस्थान, गुजरात, ओडिशा, असम, त्रिपुरा और बंगाल सहित भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह त्यौहार श्रद्धेय जोड़े, राधा और कृष्ण को समर्पित है।

रोहा में अज्ञात किशोरी का शव बरामद

नगांव (हिंस)। रोहा के मणिपुरटूप में एक अज्ञात किशोरी का शव बरामदगी को लेकर सनसनी फ़ैल गई। मणिपुरटूप के एक घर के पीछे तमूलबाड़ी में 14-15 साल की लड़की का शव मिला है। शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने शव को पड़ा देखा और रहा पुलिस को सूचना दी। रोहा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। पुलिस को शक है कि शव तीन-चार दिन से वहां पड़ा है। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। लड़की की पहचान नहीं हो पाई है। फोरेंसिक टीम घटनास्थल स्थल के लिए रवाना हो गई है। युवती कहां से आई, इस जगह कैसे पहुंची, उसकी मौत कैसे हो गई, इसे लेकर इलाके में अटकलबाजी चल रही है। यह हत्या है या नहीं, यह पोस्टमार्टम के बाद ही सामने आएगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिलचर फायर स्टेशन के प्रभारी रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। विजिलेंस एंड एंटी करप्शन निदेशालय द्वारा शुक्रवार को सिलचर फायर स्टेशन के प्रभारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। निदेशालय द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार फायर सेफ्टी एनओसी जारी करने के एवज में अधिकारी ने रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत नहीं देने के इच्छुक शिकायतकर्ता ने निदेशालय में इससे संबंधित शिकायत की। शिकायतों के आधार पर एक जाल बिछाकर प्रभारी के एक सहकर्मी के आवास पर रिश्वत की मांग स्वीकार करने के बाद ढोलाई फायर एंड इमरजेंसी सर्विस स्टेशन, सिलचर के प्रभारी बसंत सिन्हा को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। इस संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

मणिपुर पुलिस ने 313 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 313 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 219 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 255 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है।

सड़क दुर्घटना में छात्र नेता की मौत

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिला छात्र संघ के सचिव स्वराज शंकर गोगोई (32) की सड़क दुर्घटना में हुई मौत को लेकर पूरे इलाके में मातम छा गया है। पुलिस ने आज बताया कि यह दुर्घटना बीती देर रात उस समय हुई जब उनकी गाड़ी नियंत्रण खोकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 पर चाओलधोवा थाना अंतर्गत कना नदी के पास गुरुवार की रात करीब 12.45 बजे हुई। छात्र नेता एक स्विफ्ट कार (एएस-07टी-1985) पर सवार होकर गोगामुख जा रहे थे। मृतक की कार पेड़ से टकराकर खेत में जा गिरी। मृतक गोगोई ढकुवाखाना क्षेत्रीय छात्र संघ के अध्यक्ष, ढकुवाखाना उप-विभागीय छात्र संघ के सचिव, साथ ही जिला छात्र संघ के कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं। उनकी मौत से पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया है। पुलिस ने मृतक के शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले में आगे के कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

आग में मवेशी समेत घर जलकर राख

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रूपहीहाट के बरघाट में लगी भयावह आग के दौरान मवेशी समेत घर जलकर राख हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि रूपहीहाट के बरघाट में बीती रात भीषण आग लग लगने की खबर मिलते ही मौके पर अग्निशमन की टीम पहुंची। आग में दो घर सहित तीन गायें और तीन बकरियां जल गईं। आग सैदुल इस्लाम और नुरुल इस्लाम के आवास में लगी थी। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी।

त्रिपुरा विस उपचुनाव : रामनगर से दीपक मजूमदार को भाजपा ने दिया टिकट

अगरतला (हिंस)। लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा रहे त्रिपुरा की रामनगर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव में भाजपा ने मेयर दीपक मजूमदार को उम्मीदवार बनाया है। ज्ञात हो कि रामनगर सीट भाजपा विधायक सुरजीत दत्ता के निधन के बाद खाली हो चुका है। इस सीट के लिए पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। अपनी उम्मीदवारी पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए भाजपा उम्मीदवार मजूमदार ने कहा कि सुरजीत दत्ता ने पिछले 40 वर्षों तक इस क्षेत्र के लोगों के लिए काम किया है। उनके अधूरे कार्यों को वे पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे घर-घर जाकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और उसका समाधान करने की कोशिश करेंगे। सोशल मीडिया के जरिए रामनगर सीट के लिए नामित दीपक मजूमदार को त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. डॉ. मानिक साहा ने शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि दीपक मजूमदार इस क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए रामनगर के मतदाता 19 अप्रैल को कमल निशान पर वोट दें। ज्ञात हो कि इस सीट पर सीपीएम की ओर से पूर्व विधायक रतन दास चुनाव लड़ रहे हैं।

मणिपुर में ड्रग्स के साथ गिरफ्तार दो तस्कर

इंफाल (हिंस)। अशांत मणिपुर में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे हैं सघन अभियान के बावजूद ड्रग्स तस्कर म्यांमार से ड्रग्स की तस्करी कर रहे हैं। इसी सिलसिले में मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने दो तस्करों टोंगखोहाओ हाओकिप (44) और जामखोलुन बाइट (48), दोनों को मोरेह के कनान वेंग गांव से प्रतिबंधित ड्रग्स के नौ बड़े पैकेट के साथ पकड़ा गया। बरामद पैकेटों में लगभग 11.740 किलोग्राम (लगभग 80000 टैबलेट्स) वजन वाली संदिग्ध डब्ल्यूवाई गोलियों के एक खुले पैकेट उनके कब्जे कब्जे से जब्त किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

केजरीवाल दस दिनों ...

फॉर्मेट किए गए ताकि जांच में परेशानी हो। राजू ने कहा कि अरविंद केजरीवाल समन के पहले गिरफ्तार नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कब किसको गिरफ्तार करना है, ये जांच अधिकारी के दायरे में आता है। ऐसा कुछ भी नहीं है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 19 के प्रावधानों का उल्लंघन करके की गई है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हिरासत स्वत: नहीं होती। हिरासत के लिए मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 19 को संतुष्ट करना होता है। सिंघवी ने कहा कि हिरासत में लेने के लिए जरूरत बतानी होती है। उन्होंने कहा कि ईडी को गिरफ्तार करने का अधिकार है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसे पूछताछ के लिए भी गिरफ्तारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिरासत में लेने की पूरी अर्जी में कुछ पैरा को छोड़कर गिरफ्तार करने की वजह को ही कॉपी-पेस्ट किया गया है। दरअसल, 21 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी से संरक्षण नहीं मिलने के बाद ईडी ने 21 मार्च को ही देर शाम अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था।

यह उनके कर्मों का ...

अन्ना हजारे ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी उनके कर्मों का प्रतिफल है। यह तो होना ही था। अन्ना हजारे ने कहा कि मैं इस बात से बहुत परेशान हूं कि जो अरविंद केजरीवाल मेरे साथ काम करते थे, शराब के खिलाफ आवाज उठाते थे, वे अब शराब नीतियां बना रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी इसलिए हुई है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्ष ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। शरद पवार ने कहा है कि किसी राज्य के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करना बहुत गलत है। केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि लोकतंत्र का गला घोंटने का काम चल रहा है। हम पूरी ताकत के साथ अरविंद केजरीवाल के पीछे खड़े रहेंगे। शरद पवार ने यह भी कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अब तक देश में कुछ अपवादों को छोड़कर बहुत ही स्वतंत्र माहौल में चुनाव होते रहे हैं लेकिन इस बार चुनाव कैसे होगा इस पर संशय बना हुआ है। वर्तमान में केंद्रीय व्यवस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है। विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। शरद पवार ने कहा कि बैंक खाते फ्रीज होने से कांग्रेस का प्रचार तंत्र बंद हो गया है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर कहा कि हर राज्य की एक शराब नीति होती है, जिसे तय करने का अधिकार राज्य की कैबिनेट को है। शरद पवार ने कहा कि यह लोकतंत्र का संकट है। इस समय लोकतंत्र का गला घोंटने का काम चल रहा है। शरद पवार ने यह भी कहा कि अरविंद केजरीवाल में प्रधानमंत्री मोदी के रुख का विरोध करने की ताकत है। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस पार्टी ने भी सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी का जोरदार विरोध दिया है।

इसरो का पुष्पक सफल...

बाद रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने धीमी गति से उड़ान भरी। इसके कुछ देर बाद उसने लैंडिंग गियर के साथ खुद ही एटीआर में 7.40 बजे लैंड किया। यह परीक्षण सफल होने के बाद रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के सहारे रॉकेट को दोबारा लॉन्च किया जा सकता है। इस परीक्षण में इसरो के साथ भारतीय वायु सेना, सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान और एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने योगदान दिया। इसरो बीते कुछ सालों में लगातार एक के बाद एक कामयाबी की इबारत लिख रहा है। इसी क्रम में यह परीक्षण भी एक और बड़ा कदम माना जा रहा है। इसरो इस पर काफी लंबे समय से काम कर रहा है कि कम लागत में कैसे अच्छी तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसरो ने पिछले साल 02 अप्रैल को आरएलवी लेक्स-1 का सफलतापूर्वक संचालन किया था। इस दूसरे मिशन के साथ इसरो ने अंतरिक्ष में लौटने वाले वाहन की उच्च गति स्वायत्त लैंडिंग करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों को फिर से मान्य किया है। आरएलवी लेक्स-1 में उपयोग किए गए वाहन को उचित मंजूरी के बाद आरएलवी लेक्स-2 मिशन में पुन: उपयोग किया गया था। इसलिए इस मिशन में उड़ान हार्डवेयर और उड़ान प्रणालियों की पुन: उपयोग क्षमता का भी प्रदर्शन किया गया है। आरएलवी लेक्स-1 के अवलोकनों के आधार पर उच्च लैंडिंग भार को सहन करने के लिए एयरफ्रेम संरचना और लैंडिंग गियर को मजबूत किया गया था। इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि आने वाले दिनों में इसरो अधिक से अधिक अनुसंधान और उसके डेवलपमेंट पर ध्यान देकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ा कामयाबी हासिल करेगा। यह एक स्वदेशी स्पेस शटल है, जिसे ऑर्बिटल री-एंट्री व्हीकल (ओआरवी) के नाम से भी जाना जाता है। आज का परीक्षण सफल होने के बाद भारत अंतरिक्ष में ना सिर्फ सैटेलाइट लॉन्च कर सकेगा, बल्कि भारत की आसमानी सुरक्षा और मजबूत होगी। ऐसी ही टेक्नोलॉजी का फायदा चीन, अमेरिका और रूस भी लेना चाहते है, क्योंकि ऐसे यानों की मदद से किसी भी दुश्मन के सैटेलाइट्स को उड़ाया जा सकता है। इतना ही नहीं, इन विमानों से डायरेक्टेड एनर्जी वेपन भी चलाया जा सकता है, जिससे दुश्मन की संचार तकनीक को ऊर्जा की किरण भेजकर खत्म किया जा सके। भारत इसी यान की मदद से अपने दुश्मन के इलाके में किसी कंप्यूटर सिस्टम को नष्ट करने या बिजली ग्रिड उड़ाने में सक्षम हो सकता है। इसरो इस प्रोजेक्ट को 2030 तक पूरा करने की तैयारी में है, ताकि बार-बार रॉकेट बनाने का खर्च बच सके। ये सैटेलाइट को अंतरिक्ष में छोड़कर वापस लौट आएगा, जिससे स्पेस मिशन की लागत 10 गुना कम हो जाएगी।

धुबड़ी में बस-यात्रा ...

गोलीबारी की उत्पत्ति के बारे में अंधेरे में हैं। पास के बीएसएफ परिसर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि गोलियां उनके परिसर से नहीं चलीं क्योंकि उस समय ऐसी कोई कवायद नहीं चल रही थी। घटनास्थल से कोई गोली बरामद नहीं हुई, न ही गोली का कोई खोखा मिला।

मेघालय : कांग्रेस ने ...

थे। इसके बाद टीएमसी रातोंरात मेघालय में मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई थी। मगर, साल 2023 के विधानसभा चुनावों में टीएमसी को केवल पांच सीटें ही मिलीं। शिलांग के सांसद विंसेंट पाला ने गुरुवार को कहा कि हमारी टीम ने जाकर मुकुल सांग्मा से मुलाकात की और उन्हें कांग्रेस में वापस आने के लिए कहा। मैंने मुकुल से कहा कि आप कांग्रेस में वापस आएं या आप टीएमसी में रहें, हम साथ मिलकर काम करेंगे, बल्कि वह खुद कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भाजपा में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को फोन आए हैं। री भोई में उन्होंने पहले ही हमारे लोगों को भाजपा में शामिल होने के लिए कहना शुरू कर दिया है। शिलांग पश्चिम और अन्य स्थानों में भी टीएमसी नेता हमारे नेताओं को फोन करने और भाजपा में शामिल होने के लिए उनसे पूछ रहे हैं। पाला ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद सांग्मा निश्चित रूप से भाजपा में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि कांग्रेस ने मेघालय में टीएमसी के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया। विंसेंट पाला ने कहा कि पार्टी ने निर्णय लेने से पहले उचित होमवर्क किया।

चुनाव वाले जिलों ...

अवकाश घोषित करने की अनुमति नहीं है। ईसीआई ने 20 मार्च को जारी अपनी अधिसूचना में कहा कि इन लोकसभा सीटों के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 27 मार्च है और नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 मार्च है। आवेदनों की जांच 27 मार्च को की जाएगी। राज्य सरकार के अधिकारियों के मुताबिक, इन पांच सीटों पर किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है और उम्मीद है कि ज्यादातर प्रमुख राजनीतिक दल 25 मार्च के आसपास इसे दाखिल करेंगे। दूसरे चरण में पांच सीटों - सिलचर (एससी), करीमगंज, डिफू (एसटी) दरंग-उदालगुड़ी और नगांव में चुनाव कराया जाएगा। तीसरे चरण में कोकराझाड़, बरपेटा, धुबड़ी और गुवाहाटी में मतदान होगा। दूसरे चरण में नामांकन की आखिरी तारीख 4 अप्रैल, स्क्रूटनी 5 अप्रैल और नाम वापसी की आखिरी तारीख 8 अप्रैल है। वहीं तीसरे चरण के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 19 अप्रैल, स्क्रूटनी 20 अप्रैल को है। नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल है।

भरुच के शंकराचार्य मठ ...

मंदिर में पूजा करने के बाद मठ लौटा तो मेरे पड़ोसी दिलीप दवे दौड़ते हुए आए और मुझे बताया कि एक व्यक्ति मठ के दरवाजे पर कुछ सामान फेंक रहा था। इसके बाद उस व्यक्ति ने दरवाजे पर आग लगा दी जिसे मैंने बुझा दिया। महंत ने आगे बताया कि उन्होंने बाहर निकलकर देखा, लेकिन उन्हें कोई भी नहीं दिखा। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पता चला कि व्यक्ति नदी के किनारे से मंदिर परिसर में आया था।

मोदी ने केजरीवाल को ...

जानती है। जय हिन्द। इससे पहले ईडी ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। ईडी ने 10 दिन की हिरासत का अनुरोध करते हुए कहा कि वह शराब घोटाले के मामले में अन्य मंत्रियों और आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ *मुख्य साजिशकर्ता* थे। आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ उच्चतम न्यायालय से याचिका वापस लिए जाने के तुरंत बाद केजरीवाल को निचली अदालत में पेश किया गया। ईडी ने राउज एवेन्यू अदालत में विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा से कहा कि केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 बनाने और उसे लागू करने के लिए *साउथ ग्रुप* से रिश्वत के तौर पर कई करोड़ रुपए प्राप्त हुए। एजेंसी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस.वी. राजू ने अदालत में कहा कि केजरीवाल ने पंजाब चुनाव लड़ने के लिए *साउथ ग्रुप* के कुछ आरोपियों से 100 करोड़ रुपए मांगे थे। उन्होंने कहा कि धन के लेनदेन से पता चला कि गोवा चुनाव में इस्तेमाल की गई 45 करोड़ रुपए की रिश्वत चार हवाला मार्गों से आई थी। राजू ने कहा कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) से आरोपियों और गवाहों के बयानों की पुष्टि हुई है। आम आदमी पार्टी संयोजक को कड़ी सुरक्षा के बीच अपराह्न करीब दो बजे अदालत के समक्ष पेश किया गया। इसके बाद एएसजी राजू ने अदालत से कहा कि हमने 10 दिन की रिमांड के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने कहा कि *आप* एक व्यक्ति नहीं बल्कि *कंपनी* है और कंपनी के आचरण के लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। केजरीवाल का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी मौजूदा मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी की शक्ति, गिरफ्तारी की आवश्यकता के समतुल्य नहीं है और केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने की आवश्यकता नहीं थी। सिंघवी ने कहा कि इस मामले में महत्वपूर्ण न्यायिक विवेक के इस्तेमाल की जरूरत है, इसमें लोकतंत्र के बड़े मुद्दे शामिल हैं। केजरीवाल का पक्ष रख रहे अन्य वकील विक्रम चौधरी ने अदालत से कहा कि प्रवर्तन निदेशालय न्यायाधीश, जूरी, सजा की तामील करने वाला बन गया है। उन्होंने कहा कि वह सुनवाई अदालत के समक्ष रिमांड कार्यवाही का विरोध करेंगे और उसके बाद एक अन्य याचिका के माध्यम से फिर सर्वोच्च न्यायालय में आएंगे।

चुनाव आयोग से ...

दुरुपयोग किया जाता है। इसका असर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और अंतत: लोकतंत्र पर पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले में चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि आगे की छापेमारी, जांच और गिरफ्तारी से पहले आयोग या उसके तहत गठित समिति जांच और अनुमोदन दे। उन सभी व्यक्तियों और अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू हो और तत्काल कार्रवाई हो, जिन्होंने विपक्ष के नेताओं को परेशान करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया है। समान अवसर के संवैधानिक आदेश को सुनिश्चित करने और सत्ता में मौजूद राजनीतिक दलों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव लड़ने वाले नेताओं और राजनीतिक दलों के खिलाफ राज्य मशीनरी का दुरुपयोग करने से रोकने के लिए जो भी आवश्यक कोई अन्य कदम हों, वो उठाएं जायें। सिंघवी ने कहा कि हमने चुनाव आयोग के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी पर विस्तृत चर्चा की है। चुनाव आयोग के सामने इस बात को रखा है कि यह किसी व्यक्ति या किसी पार्टी के बारे में नहीं है बल्कि यह संविधान की मूल संरचना से संबंधित है। इसके अलावा आयोग के समक्ष पिछले कुछ महीनों में प्रवर्तन एजेंसियों की विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी है। सिंघवी ने कहा कि आजाद भारत के 75 साल के इतिहास में पहली बार किसी मौजूदा मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया है। सबसे पुरानी और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस का बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया गया है। विपक्षी नेताओं के खिलाफ एजेंसियों के दुरुपयोग के सबूत हैं। एजेंसियां सत्ता पक्ष पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहीं। हमने यह भी मांग की है कि अगर चुनाव आयोग डीजीपी और सचिव को बदल सकता है तो वह इन एजेंसियों पर नियंत्रण क्यों नहीं रखता ? प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल, तृणमूल नेता डेरेक ओ ब्रायन, नदीमुल हक, आम आदमी पार्टी नेता डॉ. संदीप पाठक, पंकज गुप्ता, द्रमुक नेता पी. विल्सन, एनसीपी-एससीपी नेता जितेंद्र अहवाद और माकपा नेता सीताराम येचुरी शामिल थे।

असम में जमीन...

और व्यवस्था बनाए रखना है, क्योंकि असम तीन चरणों में अपने 14 संसदीय क्षेत्रों में मतदान के लिए तैयार है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी द्वारा हस्ताक्षरित निर्देश, विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमि के दलों से जुड़ी भूमि बिक्री के लिए पंजीकरण अधिनियम 1908 की धारा 21 ए के तहत एनओसी अनुदान को निलंबित करने का आदेश देता है। यदि आवश्यक समझा जाए और कानूनी या सामाजिक अशांति भड़काने की संभावना न हो तो जिला आयुक्तों के विवेक पर अपवाद किए जा सकते हैं, जोकि पंजीकरण महानिरीक्षक, असम की पूर्व सहमति के अधीन है। यह विकास मिशन बसुंधरा के राज्य के तीसरे चरण के कार्यान्वयन के ठीक बाद है, एक कार्यक्रम जो सरकारी स्वामित्व वाली भूमि को *मियादी पट्टा* में बदलने की सुविधा प्रदान करता है, जो स्वदेशी समुदायों को स्वामित्व अधिकार प्रदान करता है। इस पहल के लिए आवेदकों को असम में बहु-पीढ़ी निवास स्थापित करने और कम से कम तीन वर्षों के लिए निर्बाध भूमि पर कब्जा करने की आवश्यकता है। इससे पहले विवाद तब सामने आया था जब ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के विधायक अशरफुल हुसैन ने मिशन बसुंधरा के तहत मुसलमानों के आवेदनों को खारिज करने को लेकर असम विधानसभा में चिंता जताई थी। जवाब में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने स्पष्ट किया कि केवल स्वदेशी व्यक्ति, जिन्हें मोरान, मटक और चुटिया जैसी आदिवासी जनजातियों के रूप में परिभाषित किया गया है। प्रभावी रूप से भूमिहीन बंगाली मूल के मुसलमानों को छोड़कर, जिन्हें आमतौर पर *मिया* कहा जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार 1.06 करोड़ की महत्वपूर्ण मुस्लिम आबादी वाला असम, जटिल जनसांख्यिकीय और पहचान की गतिशीलता का सामना करता है, खासकर नदी क्षेत्रों में जहां बंगाली मूल के मुस्लिम केंद्रित हैं।

फ्यूचर गेमिंग ने दिया...

लेकर सवाल उठाया गया था। इस रिपोर्ट के बाद इस कंपनी ने बॉन्ड के जरिये राजनीतिक दलों की जेब भरनी शुरू कर दी। रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि चुनावी चंदा देने में दूसरे स्थान पर रहने वाली कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड है। इस कंपनी ने कुल 966 करोड़ रुपए का चंदा दिया है। इसमें सबसे ज्याद भाजपा को 544 करोड़ रुपए हासिल हुए हैं। दूसरे स्थान पर तेलंगाना की पूर्व सत्ताधारी पार्टी भारत राष्ट्र समिति है, जिसे इसने 195 करोड़ रुपए दिए हैं। भाजपा के अलावा इसने मुख्य तौर पर दक्षिण के राजनीतिक दलों को ही धन मुहैया कराया है। वैसे इसने 10 करोड़ रुपए की राशि बिहार की पार्टी जदयू को भी दिया है। कांग्रेस को इसने लगभग 20 करोड़ दिया। क्विक सप्लाई जिसके बारे में पहले यह सूचना थी कि यह रिलायंस समूह से संबंधित है, ने 410 करोड़ रुपए का चंदा राजनीतिक दलों को दिया है। इसने भी सबसे ज्यादा भाजपा को 385 करोड़ रुपए की राशि दी है। सनद रहे कि रिलायंस समूह ने कहा है कि उसका इस कंपनी के साथ कोई संपर्क नहीं है। इसने भाजपा के अलावा 25 करोड़ रुपए की राशि शिवसेना को दी है और किसी भी राजनीतिक दल पर कंपनी की कृपा दृष्टि नहीं हुई है। भाजपा को सबसे ज्यादा 8633 चुनावी बॉन्ड हासिल हुए हैं और इसके जरिये पार्टी को 6060.51 करोड़ रुपए की राशि चंदा के तौर पर प्राप्त हुई है। दूसरे स्थान पर तृणमूल है, जिसे कुल 3305 बॉन्ड मिले हैं, जिनकी कुल कीमत 1609.53 करोड़ रुपए रही है। कांग्रेस को 3146 बॉन्ड के जरिये 1421.87 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। आम आदमी पार्टी को विभिन्न कंपनियों से 65 करोड़ चंदा मिला है। खबरों के मुताबिक, भाजपा को मुख्य रूप से बड़े औद्योगिक घरानों से चंदा मिला है। इनमें वेदांता, भारती एयरटेल, मुथूट, बजाज आटो, जिंदल समूह और टीवीएस मोटर शामिल हैं। वेदांता ने कांग्रेस, बीजद और तृणमूल को भी चंदा दिया है। भारती एयरटेल ने राजद, शिअद और कांग्रेस को भी चंदा दिया। उद्योगपति लक्ष्मी निवास मित्तल ने भाजपा को जबकि बायकान प्रमुख किरण मजूमदार शा ने भाजपा, तृणमूल और कांग्रेस को चंदा दिया। रूंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड ने कांग्रेस, भाजपा, तृणमूल और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा को चंदा दिया है।

तीन अपहृत श्रमिक...

अल्फा (आई) ने चिंता व्यक्त की कि असम राइफल्स ने खनिकों को हिरासत में ले लिया है और संभावित रूप से उग्रवादी समूह पर दोष मढ़ने का प्रयास कर सकता है। अपहरण असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर मनमो पुलिस स्टेशन के पास हुआ। शुरुआत में 18 फरवरी को रिपोर्ट की गई, इस घटना में चांगलांग जिले के फेब्रू बस्ती इलाके में एक कोयला खदान में श्रमिकों को निशाना बनाने वाले संदिग्ध आतंकवादी शामिल थे। अपहरण के बाद, अपहृत खनिकों का पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए असम राइफल्स के साथ-साथ असम और अरुणाचल प्रदेश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करते हुए एक संयुक्त प्रयास शुरू किया गया था। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक अभिजीत गौरव ने अपहृत व्यक्तियों की पहचान की पुष्टि की और उनकी सुरक्षित वापसी के लिए चल रहे प्रयासों का आश्वासन दिया। तिनसुकिया में सहायक पुलिस अधीक्षक विभास दास समाधान सुनिश्चित करने के लिए मामले की निगरानी कर रहे हैं। रिपोर्टों में अपहरण में अल्फा (आई) और एनएससीएन दोनों उग्रवादियों के शामिल होने का संभावना बताई गई है। हालांकि पकड़े गए व्यक्तियों की सटीक संख्या स्पष्ट नहीं है। हालिया घटनाक्रम के आलोक में अल्फा (आई) ने पत्रकारों से लापता खनिकों की तलाश में सहायता करने और किसी भी संभावित गलत आरोप को रोकने के लिए असम राइफल्स और स्थानीय पुलिस स्टेशनों के साथ सहयोग करने की अपील जारी की है।

कोलकाता में आप ...

कोलकाता के मुरलीधर सेन लेन पर भाजपा का प्रदेश मुख्यालय है। भाजपा और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं की झड़प इसी स्थान पर हुई। तख्तियों और पार्टी के झंडों के साथ पहुंचे आप कार्यकर्ताओं ने उत्पाद नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जब आप कार्यकर्ता केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे उसी समय पार्टी कार्यालय में मौजूद भाजपा कार्यकर्ता भी सड़क पर आ गए। जवाबी नारेबाजी के कारण तनाव बढ़ा और दोनों पक्षों के बीच नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर हालात पर काबू पाया। आम आदमी पार्टी के लगभग 30 कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आप ने जोरांसको पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी का आरोप है कि झड़प के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने आप की महिला सदस्यों के साथ छेड़छाड़ की। आप समर्थक के मुताबिक वे केजरीवाल के समर्थन में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने दुर्व्यवहार किया। लाठियों से हमले भी किए गए। दूसरी तरफ भाजपा का आरोप है कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनके वरिष्ठ नेताओं के साथ दुर्व्यवहार किया। एक भाजपा कार्यकर्ता ने कहा कि ये तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता हैं। उन्होंने सवाल किया कि ये भाजपा के शीर्ष नेताओं को गालियां कैसे दे सकते हैं। अगर उन्हें कोई शिकायत है तो कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस के मुताबिक आने वाले समय में हिंसा या ऐसे और राजनीतिक टकराव को रोकने के लिए इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी को ...

और भूटान के युवाओं की आकांक्षाएं एक जैसी हैं। भारत ने 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का निर्णय लिया है। भूटान ने 2034 तक *उच्च आय* देश बनने का फैसला किया है। भूटान को उसके लक्ष्यों को पाने में सहयोग का आश्वासन देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बीबी- ब्रांड भूटान और भूटान बिलीव के लिए आपके साथ खड़ा है। आने वाले 5 साल हमारे संबंधों को एक नई ऊर्जा देंगे। हम कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे, व्यापार और ऊर्जा क्षेत्रों में रास्ते बनाने के लिए काम करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर भूटान की राजधानी थिंफू पहुंचे। प्रधानमंत्री का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने भूटान नरेश जिम्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात की।

आप के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता भाजपा में शमिल

गुवाहाटी (हिंस)। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के कई वरिष्ठ पदाधिकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। आप असम के कई नेता और कार्यकर्ता आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, सांसद पवित्र मार्घेरिटा, मंत्री जयंत मल्लबरुवा और अन्य नेताओं की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। पार्टी की टोपी पहनकर नवागंतुकों का भाजपा में स्वागत किया गया। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आप के शीर्ष नेता दिल्ली में शराब भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। वे खुद को पतन के कगार पर ले गए हैं। इस निंदनीय घटना के विरोध में और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का समर्थन करते हुए, गुवाहाटी में आम आदमी पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

बकाया मानदेय भुगतान के लिए आशा कर्मियों का प्रदर्शन

जोरहाट (हिंस)। जिले के तीताबर में आशा कर्मियों ने एक वर्ष से उनके मानदेय का भुगतान सरकार द्वारा नहीं किए जाने को लेकर आज विरोध प्रदर्शन किया। आशा कर्मियों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार एक ओर लाभार्थियों को मुफ्त रुपए बांट रही है, दूसरी ओर हम आशा कर्मियों का मासिक मानदेय नहीं दे रही है। वित्तीय संकट का कारण दिखाकर राज्य की 33, 854 आशा कर्मियों का बकाया मानदेय नहीं दिया गया है। आशा कर्मियों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए एक तरफ सरकार लखपति बाइदेओ की बात कह रही है, दूसरी ओर उनका इतना कम मानदेय होने के बावजूद एक वर्ष से भुगतान नहीं किया गया है। सरकार नियमित रूप से एक हजार रुपए प्रति माह प्रदान करने में असमर्थ है। उन्होंने सरकार से मानवीय आधार पर आशा कर्मियों की समस्याओं पर ध्यान देने का आग्रह किया।

पीएम नरेंद्र मोदी के साथ जनता है : भवेश कलिता

जोरहाट (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस चुनाव में हम गिफ्ट देंगे। प्रधानमंत्री के साथ पूरे देश की जनता है। नरेंद्र मोदी पहले से अधिक सीटें प्राप्त करके तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनेंगे। भाजपा अध्यक्ष आज जोरहाट में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। भवेश कलिता ने कहा कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार तथा तानाशाही शासन से तंग आकर लोगों ने कांग्रेस को समर्थन दिया है। देश की जनता और कांग्रेस में जो भी अच्छे लोग हैं सभी भाजपा में आ चुके हैं। पूरे देश की जनता इस समय भाजपा के साथ है। एक प्रश्न के उत्तर में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि असम की 14 सीटों में से 13 सीटें जीतना हमारे लिए निश्चित है। 14वां सीट भी हम जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई डरते हैं इसलिए उन्होंने काजीरंगा सीट पर चुनाव नहीं लड़ा। उन्होंने कहा कि जोरहाट सीट पर भाजपा उम्मीदवार तपन गोगोई गौरव को 2 लाख से अधिक वोटों से हराएंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति फिलहाल धुबड़ी आदि जिलों के चर क्षेत्र में है। भाजपा सुनियोजित तरीके से चुनाव लड़ती है। इसके सभी नेता और कार्यकर्ता हमेशा ही काम करने के लिए मैदान में उतरे हुए रहते हैं। चुनाव में किए गए वादों को भाजपा शत-प्रतिशत पूरा करती है। यही वजह है कि आज भाजपा के साथ किसी भी राजनीतिक दल का कोई मुकाबला नहीं है। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष ने पत्रकारों के अन्य कई प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट का फागणियो उत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट फागणियो 2024 का आयोजन फैंसी बाजार महावीर स्थल में किया गया। जिसका शुभारंभ ट्रस्ट के अध्यक्ष राम अवतार बुड़ाकिया, कोषाध्यक्ष राजकुमार खाकोलिया, कार्यक्रम संयोजक अजय पोद्दार, अनिल थर्ड, मदन गर्ग, महेश झुरिया के अलावा समाज के गणमान्य सागरमल बूडाकिया, बीरबल मित्तल, भीष्म गुप्ता, गोविंद अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके किया। इससे पहले अध्यक्ष रामअवतार बुड़ाकिया ने सभी अग्र बंधुवो को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में आगंतुक सभी बंधुवो का अबीर गुलाल से टीका लगाकर एवं दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजस्थान से पधारे गायक अभिषेक मिश्रा एंड पार्टी ने रंगारंग होली धमाल, लोकगीत और राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इन लोक गीत नृत्य की धुन पर सभी समाज बंधुओ ने जमकर नृत्य करके होली का आनंद लिया। सभी के लिए लजीज व्यंजनों की व्यवस्था भी की गई तथा होली की ठंडाई भी पिलाई गई।

बरपेटारोड में दो दिवसीय श्याम फाल्गुन महोत्सव सोल्लास संपन्न

बरपेटारोड। कलियुग के साक्षात देव, श्री कृष्णावतार श्री खाटु नरेश श्री श्याम प्रभु का दो दिवसीय श्याम फाल्गुन मेला विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। 20 मार्च बुधवार, एकादशी को श्री श्याम प्रभु का पुष्प दरबार सजाया गया। दोपहर पुजा अर्चना के पश्चात गौहाटी की सूविख्यात भजन गायिका मुक्ता कसेरा द्वारा संगीतमय श्याम नित्य जोत पाठ की सुरीले भजनों सहित प्रस्तुती की गई। श्याम नित्य जोत पाठ में बड़ी संख्या में भक्तों ने पाठ वादन किया। श्याम नित्य जोत पाठ के पश्चात भक्तों ने बाबा को चुरमा भोग अर्पण कीया एंव महाआरती की तथा बाबा के दरबार में पुष्पाजंली समर्पित की। फाल्गुन शुक्ला द्वादशी गुरुवार 21 मार्च को प्रात: 9 बजे हनुमानगढ़ मंदिर से श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी तक निशान यात्रा आयोजीत की गई। निशान यात्रा में बारिश के बावजुद भी असंख्य भक्तों ने निशान यात्रा में निशान उठाकर पदयात्रा की। निशान यात्रा के पश्चात श्री खाटु नरेश की पूजा-अर्चना की गई एंव सवामणी भोग महाप्रसाद अर्पित किया गया। निशान यात्रा में प्रत्येक वर्ष की भांती इस वर्ष भी सूरजगढ़ का निशान अर्पित किया गया। द्वादशी की संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक रोहीत तोदी एंड पार्टी द्वारा भक्तिमय भजनगंगा प्रवाहीत की गई । भजनसंध्या में श्रद्धालुओं ने संगीतमय भजनों का खुब आंनद लिया, मानो पुरा दरबार श्याममयी भक्ती से सरोबार हो उठा। दो दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव को सफल बनाने में बरपेटा रोड के श्री श्याम परिवार के सभी सदस्यों का योगदान दर्ज हुआ। दो दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव की विस्तृत जानकारी श्री श्याम परिवार सेवाट्रस्ट द्वारा प्रेषित की गई।

नाम आंखों से भक्तों ने दी श्याम बाबा को विदाई

गुवाहाटी। पिछले दो दिनों से फागुन महोत्सव की धूम के बाद आज नम आंखों से भक्तों ने खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु को विदाई दी। श्री श्याम सत्संग मंडल के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 55वा गौरवशाली श्री श्याम जयंती महोत्सव विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया। दो दिवसीय महोत्सव के दौरान हजारों की संख्या में भक्तों ने बाबा के दरबार में हाजरी लगाकर आशिर्वाद लिया। महोत्सव के समापन के पश्चात मंडल की परंपरा अनुसार शीश के दानी खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु के शीश (विग्रह) को आज महाबाहु ब्रह्मपुत्र में प्रवाहित किया गया। इससे पूर्व साधना मंदिर प्रांगण में श्री श्याम सत्संग मंडल की ओर से बाबा की आरती कर प्रसाद चढ़ाया गया। तत्पश्चात श्याम प्रभु के शीश को गाजे बाजे के साथ भक्त अबीर गुलाल उड़ाते हुए अपने साथ ले गए। रास्ते भर श्याम प्रभु के जयकारे सुनाई पड़ रहे थे। इस दौरान महिलाओं के अलावा बड़ी संख्या में बच्चे भी मौजूद थे। ब्रह्मपुत्र तट पर पहुंचने के बाद सभी भक्तों ने खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु से सभी के जीवन में खुशहाली की मंगल कामना के साथ बाबा के शीश को ब्रह्मपुत्र में प्रवाहित किया।

जेमा का होली रंगोत्सव कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) का होली रंगोत्सव कार्यक्रम माछखुवा आईटीए सेंटर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष नवल किशोर सारडा, मुख्य संरक्षक सज्जन अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मीपति दुग्गड़, पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार अग्रवाल, राजकुमार धानुका, सचिव साकेत राज पुगलिया, निवर्तमान सचिव अशोक सेठिया, पूर्व सचिव गिरिराज ककराणीया, प्रमोद मोर, गोपाल पसारी ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्ष नवल सारडा ने अपने स्वागत भाषण में सभी को होली की शुभकामनाएं दी। सचिव साकेत राज पुगलिया ने अपने संबोधन में संगठन की गतिविधियों व कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में आमंत्रित सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी राकेश अग्रवाल, समाजसेवी ललित धानुका, अशोक धानुका, दीनदयाल सिवोटीया और रतनलाल चौधरी को दुपट्टा पहनकर सम्मानित किया गया। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को भी मंच पर बुलाकर उनका परिचय करवा कर उन्हें दुपट्टा पहनाया गया। जेमा के सलाहकार अशोक मालू के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम के चैयरमेन कमल कुमार अग्रवाल, सलाहकार राजकुमार धानुका, संयोजक राकेश जैन के सक्रिय सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। गणेश वंदना नृत्य के पश्चात सरस्वती डांस अकादमी द्वारा राजस्थानी गीत नृत्य प्रस्तुत किया गया। राजस्थान से पधारे गायक अभिषेक मिश्रा व उनकी टीम ने कई लोकगीत, आधुनिक गीत चंग धमाल नृत्य प्रस्तुत किया। मटकी नृत्य व गीगला गीत नृत्य ने दर्शकों को काफी आकर्षित किया। राजस्थानी होली लोकगीत पर जेमा के सभी सदस्यों ने जमकर नृत्य कर होली का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन रोहित सुराणा ने किया।

फाइनेंस संबंधी बंधन बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के बीच अहम निर्णय

मुंबई। देश में निजी क्षेत्र के सबसे तेजी से बढ़ते बैंकों में से एक, बंधन बैंक ने अपने ग्राहकों को कमर्शियल वाहन और इक्विपमेंट के लिए फाइनेंस संबंधी बेहतर सॉल्यूशन पेश करने के लिहाज से देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग के तहत, बंधन बैंक कमर्शियल वाहन और इक्विपमेंट के पोर्टफोलियो में फाइनेंस सुविधा की पेशकश करेगा। इस तरह ग्राहकों को बैंक के व्यापक नेटवर्क और विशेष रूप से तैयार की गई आसान पुनर्भुगतान योजनाओं से लाभ होगा। इस बारे में और विस्तार से जानकारी देते हुए श्री संतोष नायर, हैड-कंज्यूमर लेंडिंग एंड मॉर्गेजेस, बंधन बैंक ने कहा कि महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ की गई इस साझेदारी के बाद बंधन बैंक के ग्राहकों को वाहनों की खरीद के लिए फाइनेंस संबंधी आसान विकल्प मिलेंगे। यह एसोसिएशन वाणिज्यिक वाहन और वाणिज्यिक उपकरणों के बारे में ग्राहकों की विविध वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में हमारे समर्पण को दर्शाता है। हमें विश्वास है कि यह सहयोग हमें अपनी पहुंच बढ़ाने और वाणिज्यिक वाहन खंड में व्यवसायों के विकास का समर्थन करने के लिए अनुरूप फाइनेंस संबंधी विकल्प प्रदान करने में सक्षम करेगा। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, जलाल गुप्ता, बिजनेस हेड कमर्शियल व्हीकल्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि यह साझेदारी हमें अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम वित्तीय समाधान प्रदान करने में मदद करेगी और उन्हें आवश्यक प्रोत्साहन और आत्मविश्वास प्रदान करेगी। यह गठजोड़ एमसीई और बंधन बैंक दोनों को एक-दूसरे के विशाल नेटवर्क की क्षमता का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा। महिंद्रा एंड महिंद्रा कमर्शियल वाहनों और वाणिज्यिक उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में महिंद्रा के उत्पाद 3.5 टन से लेकर 55 टन तक हैं जिनमें एलसीवी, आईसीवी और एचसीवी शामिल हैं। हालाँकि, कमर्शियल उपकरण क्षेत्र में वे बैक-हो लोडर और मोटर ग्रेडर बेचते हैं। महिंद्रा 40 प्रतिशत से अधिक की विकास दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ते ओईएम में से एक है और इसने 500 से अधिक टच पॉइंट के नेटवर्क के साथ अपनी आफ्टर सेल सर्विस का तेजी से विस्तार किया है। बंधन बैंक एक नए दौर का निजी क्षेत्र का बैंक है जो देयता उत्पादों के साथ-साथ गृह ऋण, यात्री और वाणिज्यिक वाहन ऋण, व्यक्तिगत ऋण जैसे खुदरा परिसंपत्ति उत्पादों पर सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों में से एक की पेशकश करता है। बंधन बैंक भारत के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 35 में मौजूद है, जिसके 6, 250 से अधिक बैंकिंग आउटलेट देश भर में 3.25 करोड़ ग्राहकों को सेवा प्रदान करते हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर महानगर में आप कायकर्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन।

मणिपुर की दो सीटों के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार घोषित

गुवाहाटी (हिंस)। मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को राज्य की दो लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के मेघचंद्र ने बताया कि कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के शिक्षक डॉ. बिमोल अकोइजम को इनर मणिपुर के लिए उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, पूर्व विधायक अल्फ्रेड कान नगम आर्थर को मणिपुर आउटर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए उम्मीदवार घोषित किया है। उल्लेखनीय है कि आर्थर के कार्यक्रमों में बीते एक सप्ताह के दौरान तीन बार कथित एनएससीएन-आईएम उग्रवादियों ने हमले किए थे। इन हमलों के मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मेघचंद्र ने सरकार से मांग की है कि उम्मीदवारों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे निर्भीक चुनाव प्रचार कर सकें।

रंगिया बरघुली मे दिलीप सैकिया की चुनावी सभा

रंगिया। अल्पसंख्यक इलाकों में भाजपा की चुनाव प्रचार रैली का आयोजन किया गया। अगप, यूपीपीएल दल को लेकर दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के लिए गठबंधन उम्मीदवार दिलीप सैकिया के साथ चुनाव प्रचार सभा की गई। वर्तमान में मंगलदै लोकसभा क्षेत्र से सांसद और दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार दिलीप सैकिया ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। ब्रह्मा, विष्णु, महेश्वर एक ईश्वर की तीन शक्तियां हैं। वे तीनो शक्ति है जिसे लेकर हम एक साथ आए हैं। एजीपी, यूपीपीएल, बीजेपी गठबंधन को हमें आने वाले दिनों में इस बरघुली मंडल से चौतरफा वोट देना होगा। वोटों को 90 फीसदी तक बढ़ाना होगा। बारघुली मंडल में लगभग 32, 000 मतदाता हैं, खासकर धार्मिक अल्पसंख्यकों के वोट बरघुली मंडल में अधिक है। इस्लाम धर्म के लोग भी आज स्वयं बाहर निकल आ गए हैं। वे भी इस बार विकास की राजनीति का समर्थन करेंगे और एनडीए के पक्ष में लोकतांत्रिक अधिकारों का दावा करेंगे। हमें उम्मीद है कि अल्पसंख्यक और बहूसंख्यक दोनों मिलकर भारत को विश्व गुरु बनाएंगे। दिलीप सैकिया ने कहा कि आज इस नीति के साथ आने के बाद इन लोगों की प्रतिक्रिया देखकर हम अभिभूत हैं।

अत्याधुनिक कौशल से निर्मित वायुजीत गुवाहाटी में लांच

गुवाहाटी। नॉर्थ ईस्ट मोट्र्स ने आज यहां वायुजीत लांच किया। वायुजीत एक लक्जरी वाहन है। यह त्याधुनिक कौशल से निर्मित है। नॉर्थ ईस्ट मोट्र्स के प्रबंध निदेशक संजय गोस्वामी ने यहां के क स्थानीय होटल में आयोजित एक समारोह में वायुजीत को लांच किया। यह वाहन उस विलासिता और आराम से सुसज्जित है जो यात्रा के बारे में सोचते समय दिमाग में आता है। बायुजीत नॉर्थ ईस्ट मोट्र्स के एक ड्रीम प्रोजेक्ट की हकीकत है। सभी अत्याधुनिक तकनीकों को जोड़ती है जिन्हें शब्दों में वर्णित नहीं किया जा सकता है। इसलिए, यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि बायुजीत नामक वाहन विलासिता के चरम को पार कर गया है। शानदार फैनिशिंग, आधुनिक अत्याधुनिक बायुजीत ने उस युग की सभी सुविधाओं के साथ लक्जरी होटल के कमरों को भी पीछे छोड़ दिया है। नॉर्थ ईस्ट मोटर्स के प्रबंध निदेशक संजय गोस्वामी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सितारों/सेलिब्रिटी/राजनेताओं की दुनिया न केवल ग्लैमर से भरी है, बल्कि उनकी सुरक्षा और गोपनीयता से भी भरी है। लाखों लोगों के दिलों में मुस्कान लाने वाले इन लोगों के इस्तेमाल के लिए नॉर्थ ईस्ट मोटर्स ने वैनिटी वैन *बायुजीत* लांच की है। वाहन में लाउंज और बेडरूम से लेकर रसोईघर, बाथरूम, अग्निशमन सुविधाएं, उच्च गुणवत्ता वाले लघु सर्किट ब्रेकर, आपातकालीन निकास, सीसीटीवी कैमरे, 3660 कैमरे तक सब कुछ है। यह गाड़ी किसी लग्जरी आवास या दुनिया के सबसे महंगे होटल के कमरे से कम नहीं है। विमान का ड्राइवर केबिन 360 कैमरे से लैस है। ड्राइवर की आंखों के सामने कैमरे में सब कुछ दिखेगा 7.2 प्रतिशत 7.2 फीट का बेडरूम, किंग साइज सोफा और हाइड्रोलिक स्की लिफ्ट के साथ बिस्तर यहां कोठरियां, अलमारियाँ और दराजें भी हैं। इसके के अंदर का लाउंज क्षेत्र 7.2 गुणा 13.5 फीट का होगा जिसमें 6 लोगों के लिए अच्छी बैठने और विश्राम की सुविधाएं होंगी उनमें से 4 स्वचालित रिक्लग हैं; सी और 2 आगे की पंक्ति में पूर्ण हैं। घूमने वाली सीट, लॉन में, अंरिका की प्रख्यात प्रिमियम हाउंड सिस्टम, 6/82010 के साथ 55 इंच का सोनी टीवी, जिसका उपयोग विमान में किया जाता है इसमें लाइटें और एसी वेंट होंगे। इसमें उच्च गुणवत्ता वाला स्पेनिश 80.82 साउंड सिस्टम बाहर से एकीकृत है। किसी भी कार्यक्रम के लिए। एक जर्मन प्रसिद्ध बैंड साउंड मिक्सर और एक जापानी 1190-0084 ब्रॉडनेस माइक्रोफोन भी है। 10-12 सुरक्षा रसवन/डालिम कॉय धूम्रपान प्रणाली, हाई पावर फ्रॉड लाइट, 1000 लीटर स्पिल वॉटर टैंक, 800 लीटर अपशिष्ट टैंक, होंडो 3 किलोवाट और 5.5 किलोवाट जनरेटर, 2 किलोवाट इंसर्ट, स्टोरेज कम्पार्टमेंट, सिंगापुर 50 वैक्यूम क्लीनर और शीर्ष तक आसान पहुंच के लिए टेलिनकोपीक एल्युमीनियम फाउंडिंग स्टेप लेदर। नारदा ईई मोटर्स को एक अद्वितीय लक्जरी वाहन निर्माता माना जाता है असमिया लोग ऐसी चीजें भी कर सकते हैं जिनके बारे में दूसरे लोग सोच नहीं सकते, कल्पना नहीं कर सकते और अपनी मान्यताओं के बावजूद दूसरों को सीमाएं नहीं दिखा सकते। नोरिया ईस्ट मोटर्स- नहीं। ईस्ट मोटर्स ग्राहकों के आनंद को बढ़ाने के लिए एक ही बार में सभी उत्पाद श्रेणियों में व्यापक वाहन सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ 2017 में लांच की गई सेवाएं देने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित है। ग्लोएचडीटीएस के पास हमारे विभिन्न पैकेजों में से चुनने का विकल्प भी है। हम अत्याधुनिक उपकरणों के साथ सभी कार मरम्मत के लिए संपूर्ण समाधान प्रदान करते हैं। हमारे पास ग्राहकों की विभिन्न प्राथमिकताओं के अनुसार सहायक उपकरण, ऑडियो-विजुअल सिस्टम और व्यापक सेवाएं हैं हमारे कार डीलर विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां हैं। हम मनोरंजन उद्योग में मशहूर हस्तियों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संपादकीय

जनादेश का लोकतांत्रिक पर्व

जनादेश का लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर आया है। यह ऐसा पर्व है, जब देश की आम जनता वोट देकर लोकतंत्र को जिंदा रखती है और इस तरह देश के गणतंत्र और संविधान भी प्रासंगिक रहते हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनावी पर्व भी व्यापक और गहरा होता है। करीब 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर 18वीं लोकसभा, विधानसभाओं और अंततः भारत सरकार का निर्वाचन करेंगे। इससे बड़ा लोकतंत्र और क्या हो सकता है? इतना विशाल और विराट लोकतंत्र अपने अस्तित्व के खतरे में कैसे हो सकता है? ये तथ्य और सत्य नहीं, फिजूल वाचाली है। भारत में जनादेश का यह उत्सव सम्यक सहिष्णुता, धर्मनिरपेक्षता, क्षेत्र-निरपेक्षता, समन्वय, कमोबेश हिंसामुक्त और विवेकपूर्ण होता है, लिहाजा जनादेश को 'राष्ट्रीय' और सर्वसम्मत माना जाता है। जनादेश स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक साबित हो, लिहाजा देश में 81 दिन की 'आदर्श चुनाव आचार संहिता' लागू हो गई है। समूचे देश का प्रशासन अब चुनाव आयोग के अधीन आ गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री के स्तर पर भी किसी नई नीति की घोषणा नहीं की जा सकती। हमारा यह जनादेशी पर्व व्यापक और पारदर्शी इसलिए आंका जाता रहा है, क्योंकि दूरदराज गांव, इलाका और पहाड़ की चोटियों पर मौजूद मतदाता भी अपनी सरकार चुनने के लिए वोट देने को संवैधानिक आधार पर अधिकृत हैं। जो सैनिक सरहदों पर तैनात हैं अथवा जो नागरिक किसी कार्यवश अपने क्षेत्र और घर से दूर हैं, उनके मताधिकार की भी व्यवस्था चुनाव आयोग करता है। अत्यधिक बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिकों के मतदान उनके घरों पर ही सुनिश्चित कराए जाते हैं। पहली प्राथमिकता मतदान की है। बहरहाल 18वीं लोकसभा के लिए मतदान 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में कराया जाएगा। मतगणना 4 जून को ही सम्पन्न हो जाएगी, लिहाजा उसी दिन शाम तक स्पष्ट हो जाएगा कि जनादेश किसे मिला है? नई सरकार किस पार्टी और गठबंधन की बनेगी? सिर्फ जनादेश की तटस्थता और ईमानदारी के लिए आयोग 55 लाख ईवीएम का इस्तेमाल करेगा और 1.5 करोड़ चुनावकर्मी और सुरक्षाकर्मी जनादेश के पर्व को समानता और शांति से सम्पन्न कराएंगे। ईवीएम पर सर्वोच्च अदालत तमाम याचिकाओं को खारिज करते हुए ईवीएम को मान्यता दे चुकी है। अब इस पर किसी भी तरह का राजनीतिक प्रलाप बेमानी है। बहरहाल इन आंकड़ों के मद्देनजर भी हमारा आम चुनाव दुनिया में सबसे बड़ा और निष्पक्षता का उदाहरण है। अलबत्ता कुछ काली भेड़ें इस पर भी कालिख पोतने का दुस्साहस करती हैं, लेकिन वे नाकाम ही रहती हैं। जनादेश का यह सौभाग्यशाली दिन होगा, जब 1.82 करोड़ युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे और जनादेश की मुख्यधारा में जुड़ेंगे। चुनाव बूथ वाले उन मतदाताओं का मुंह मीठा कराएंगे। कुल 21.5 करोड़ मतदाता, जिनका आयु-वर्ग 18-29 साल है, जनादेश के पर्व में शिरकत करेंगे। अधिकतर देशों में इतनी तो आबादी भी नहीं होती और भारत के जनादेश की इतनी व्यापक ताकत है। बहरहाल इस बार का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण और निर्णायक होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2014 और 2019 में लगातार दो राष्ट्रीय जनादेश भाजपा-एनडीए को हासिल हो चुके हैं। यदि तीसरी बार भी जनादेश उन्हीं के पक्ष में रहता है, तो प्रधानमंत्री मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समकक्ष हो जाएंगे, क्योंकि लगातार तीन बार जनादेश प्राप्त करने वाला कोई अन्य प्रधानमंत्री नहीं है। जिस दौर में यह चुनाव हो रहा है, उसमें एनडीए और 'इंडिया' गठबंधन के बीच बड़े उग्र विरोधाभास हैं, नतीजतन नफरती भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। राजनीतिक दल और नेता व्यक्तिगत आक्रमण भी कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने इस संदर्भ में एक खास सलाह दी है और दलों को संयमी, सतर्क और समभावी होने के निर्देश भी दिए हैं। ऐसा भी परामर्श दिया गया है कि जाति और धर्म पर आधारित चुनाव प्रचार न किया जाए। यदि कोई दल किसी आपराधिक व्यक्ति को उम्मीदवार बनाता है, तो आयोग के इस संबंध में भी कुछ निर्देश हैं।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनावी पर्व भी व्यापक और गहरा होता है। करीब 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर 18वीं लोकसभा, विधानसभाओं और अंतत: भारत सरकार का निर्वाचन करेंगे। इससे बड़ा लोकतंत्र और क्या हो सकता है? इतना विशाल और विराट लोकतंत्र अपने अस्तित्व के खतरे में कैसे हो सकता है? ये तथ्य और सत्य नहीं, फिजूल वाचाली है। भारत में जनादेश का यह उत्सव सम्यक सहिष्णुता, धर्मनिरपेक्षता, क्षेत्र-निरपेक्षता, समन्वय, कमोबेश हिंसामुक्त और विवेकपूर्ण होता है, लिहाजा जनादेश को 'राष्ट्रीय' और सर्वसम्मत माना जाता है। जनादेश स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक साबित हो, लिहाजा देश में 81 दिन की 'आदर्श चुनाव आचार संहिता' लागू हो गई है। समूचे देश का प्रशासन अब चुनाव आयोग के अधीन आ गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री के स्तर पर भी किसी नई नीति की घोषणा नहीं की जा सकती।

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा

विपक्ष के नकारात्मक प्रचार पर क्या मोदी के सकारात्मक प्रचार को मिलेगी जीत?

ललित गर्ग

चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा।

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए। इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं। जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है। भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है। भाजपा प्रचार में शामिल हैं- आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति। विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है। मोदी इन चुनावों के

महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं। अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं। इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा। इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक। बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है। बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं। जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी। आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गड़ाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं। मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके। वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं। जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्शों एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा। विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है। महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था। कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी। एक दिन दुर्योधन आचार्य पर बड़े क्रोधित होकर बोले-''गुरुवर कहां गया आपका शौर्य और तेज? अर्जुन तो हमें लगता है समूल नष्ट कर देगा। आप के तीरों में जंग क्यों लग गई। बात क्या है?'' आज लगभग हर राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व के सम्मुख यही प्रश्न खड़ा है और इस प्रश्न का उत्तर भी और कहीं नहीं, उन्हीं के पास है।

दृष्टि कोण

लंबे खिंचते चुनाव और सत्ता में वापसी की संभावना का सांख्यिकीय सच!

चुनाव आयोग द्वारा 18 वीं लोकसभा के निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही विपक्ष इस 7 चरणीय चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठा रहा है। संदेह का आधार यह है कि आज जब प्रौद्योगिकी इतनी उन्नत हो गई है तब समूचे देश में ढाई महीने तक चुनाव प्रक्रिया चलाने का क्या मतलब है? 81 दिन तक आचार संहिता लगाकर विकास कार्यक्रमों पर इतने लंबे ब्रेक का क्या औचित्य है? क्या इसके पीछे किसी खास राजनीतिक दल को अपनी चुनावी किलेबंदी पुख्ता करने की मोहलत देते जाने का छुपा मंतव्य है या चुनाव निष्पक्षता से कराने का आग्रह है? राजनीतिक हलको में यह सवाल भी संजीदगी से तैरने लगा है कि चुनाव प्रक्रिया के लगातार लंबा खिंचने के साथ देश क्या अघोषित रूप से उस अध्यक्षीय प्रणाली की ओर बढ़ रहा है, जिसमें जनता राजनीतिक दल से ज्यादा उसके चेहरे पर पर दांव लगाना ज्यादा बेहतर समझती है। प्रकारांतर से यह नए किस्म का अधिनायकवाद अथवा राजतंत्र है, जो गुजरता तो लोकतांत्रिक प्रोसेस से है, लेकिन उसका मंतव्य व्यक्ति केन्द्रित सत्ता को वैधता प्रदान करना है। क्या यह चुनाव भी विचारधारा, कार्यक्रम, प्राथमिकताओं और विकास जैसे अहम मुद्दों के परे जाकर एक चेहरे को ध्यान में रखकर ही लड़ा जा रहा है? और यह भी कि किसी चेहरे विशेष पर लोकमानस की अति निर्भरता किस सत्तातंत्र की ओर इशारा करती है? सात दशकों के लोकतंत्र के बावजूद क्या भारतीय मतदाता की जड़ें अभी भी व्यक्ति आराधन से से ही सिक्त हैं। बदलाव केवल इतना है कि वंशवाद की सीमाएं लांघ कर वह अब चमत्कारी चेहरे पर केन्द्रित हो गई है। अब पहला सवाल चुनाव प्रक्रिया के असाधारण रूप से लंबा खिंचने का, इस देश में सबसे लंबा चुनाव 1951-52 में हुआ पहला आम चुनाव था, जो लगभग 4 महीने तक 68 चरणों में हुआ था। तब देश में कुल मतदाता 17.32 करोड़ थे, जिनमें से मात्र 44.87 लोगों ने ही हिस्सा लिया था। वो चुनाव लगभग एक तरफा था। नेहरू गांधी की आंधी थी। चुनाव कुल 489 सीटों के लिए हुआ था और इसमें से कांग्रेस ने 364 सीटें जीत ली थीं। मुख्य विपक्ष कम्युनिस्ट और समाजवादी पार्टी थे, जिन्हें कुल 28 सीटें मिली थीं। चुनाव लंबा खिंचने का बड़ा कारण

शायद यह था कि समूचे देश में पहली बार आम चुनाव हो रहे थे (लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे और 89 निर्वाचन क्षेत्रों में दोहरी जनप्रतिनिधित्व प्रणाली थी। यानी एक ही सीट से सामान्य और आरक्षित वर्ग का प्रत्याशी चुना था। दोनो के लिए अलग अलग मतपेटियां रखी जाती थीं)। पूरे देश में 1 लाख 96 हजार से ज्यादा मतदान केन्द्र थे, इनमे से 25 हजार 527 महिलाओं के लिए आरक्षित थे। लेकिन तब भी चुनाव परिणामों, चुनाव प्रक्रिया के दीर्घावधि होने तथा ऐसा करने के पीछे किसी दल को लाभ पहुंचाने की मंशा पर कोई सवाल नहीं उठे थे। तब विपक्ष बेहद कमजोर था। उस आम चुनाव में दो मुख्य विपक्षी पार्टियों ने जितनी सीटें जीती थीं, उनकी संख्या आज सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के सांसदों की संख्या की तुलना में लगभग आधी थी। इसके पांच साल बाद 1957 में हुए आम चुनाव (लोस के साथ साथ विस चुनाव भी) चुनाव आयोग ने मात्र 20 दिनो में सम्पन्न करा दिए। कम अवधि में चुनाव कराने के बाद भी कांग्रेस ही 371 सीटें जीतकर सत्ता में लौटी। यह चुनाव भी मुख्य रूप से प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की छवि और देश के नेहरूवादी विकास मॉडल को मिला जनसमर्थन था। नेहरू सरकार के मुख्य आलोचक कम्युनिस्ट और समाजवादी थे, जिन्हें चुनाव में कुल 46 सीटें मिली थीं। 1962 तक आते- आते देश में स्वप्निल नेहरूवादी सोच की आभा घटने लगी। बेरोजगारी, अशिक्षा, महंगाई, क्षेत्रवाद जैसे मुद्दे सिर उठाने लगे। फिर भी कांग्रेस आम चुनाव में 361 सीटें जीतने में कामयाब रही। यह चुनाव भारत पर चीनी हमले के 8 माह पूर्व हो चुके थे। अगर चुनाव उस चीनी हमले में भारत की करारी हार के बाद हुए होते तो चुनाव परिणाम क्या होता, इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। अलबत्ता युद्ध में जीत अथवा शत्रु पर प्रत्याक्रमण सत्तारूढ़ दल के लिए हमेशा फायदेमंद रहे हैं। पं. जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री पीएम बने और उनके कार्यकाल में 1965 के दौरान हुए भारत- पाक युद्ध में भारतीय सेना की सफलता ने कांग्रेस को सहारा दिया। 1967 के आम चुनाव में कांग्रेस किनारे पर ही सही, 283 सीटों के साथ वापस सत्ता में आ गई। दूसरी तरफ देश राजनीतिक करवट बदल रहा था। गैर कांग्रेसवाद की भावना जोर पकड़ने लगी थी। विपक्षी पार्टियां जिनमें वामपंथी प्रमुख थे, मजबूत होने लगे थे तो दूसरी तरफ हिंदूवादी जनसंघ जैसी पार्टियों के लिए भी स्पेस बनने लगा था। धर्मनिरपेक्षता और धर्मसापेक्षता के तेवर तीखे होने लगे थे। अंतरराष्ट्रवाद और राष्ट्रवाद में टकराव तेज होने लगा था। साथ में गरीबी, महंगाई और समाजवादी सोच के प्रश्न तो थे ही। इसी दौरान श्रीमती इंदिरा गांधी ने समाजवादी और वामपंथ की ओर झुका कार्ड खेलना शुरू किया। उन्होंने पुराने कांग्रेसियों को ठिकाने लगाते हुए पार्टी तोड़ी और मध्यावधि चुनाव करवाए। इसी के साथ देश में 15 साल से चली आ रही 'एक देश, एक चुनाव' की अघोषित परंपरा भी टूट गई। इंदिराजी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया। देश में चुनाव फिर व्यक्ति केन्द्रित हो गया।

कुछ अलग

रीढ़, पायदान व पदोन्नति

हो सकता है कि आप मुझसे पूछें कि रीढ़, पायदान और पदोन्नति का आपस में क्या सम्बन्ध है। तो साधो! सदी के लिजलिजे महानट के पिता डॉ. हरिवंश राय बच्चन ने अपनी कविता 'मैं हूँ उनके साथ, खड़ी जो सीधी रखते अपनी रीढ़' में रीढ़ सीधी रखने वालों की विशेषताओं का वर्णन किया है। लेकिन यह निर्विवाद सत्य है कि अगर रीढ़ की सिधाई पर कोई प्रश्नचिन्ह न होता तो डॉ. हरिवंश कभी यह कविता नहीं लिख पाते। हर युग में रीढ़ और पायदान भले एक-दूसरे के विलोम नज़र आते रहे हों, पर सरकार में पदोन्नति लेने के लिए दोनों का सहोदर होना पहली शर्त है। अगर आप रीढ़विहीन हैं और हर सरकार में फुटमैट (पायदान) होने की शर्त को पूरा करते हैं तो सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले भी रीढ़ दिव्यांगता की श्रेणी में विभाग के सर्वोच्च पद पर पदोन्नति पा सकते हैं। प्रकृति ने भी इसमें कोई लिंग भेद नहीं किया है। नर हो या नारी कोई फर्क नहीं पड़ता। बस आपको निर्लिप्त भाव से नेताओं और सीनियर्स के सामने बतौर पायदान बिछना होगा। कोई योग्यता न होने के बावजूद किसी विभाग का मुखिया होने के एवज़ में सौदा बुरा नहीं। सावरकर भी 15 बार माफी माँगने के बाद अंग्रेज़ों से साठ रूपल्ली की मासिक पैंशन पाने के हक़दार हुए थे। आज़ादी के अमृतकाल में यही सावरकर न केवल वीर हो गए हैं, बल्कि प्रासंगिक भी हो चुके हैं। पिछले हफ़्ते झुन्नू लाल मुझे राजधानी के सचिवालय की सीढियों पर उदास मिले। मैंने उदासी का कारण पूछा तो बोले कि मैं बाबू से अपनी उस पदोन्नति के बारे में पूछने आया था जो पिछले महीने से ड्यू है। लेकिन उसने कहा कि पहले तुम्हारे उस सीनियर की प्रमोशन होगी जिसे डायरेक्टर बनाया जा रहा है। मैंने कहा कि कम से कम यह तो बता दें कि मेरे सारे पेपर्स आपके पास पहुँच गए हैं। इस पर बाबू बोला कि बाद में आना, अभी तो सरकार रिटायरमेंट से पहले मैडम को डायरेक्टर बनाने पर तुली है। मैंने पूछा कि बनाने पर तुली है, इसका मतलब? बाबू बोला कि उसकी लियाक़त यही है कि उसने सारी उम्र राजधानी में काटी है। कभी फील्ड में नहीं रही। हर बार समय से पहले प्रमोशन लेना उसकी उपलब्धि है। झुन्नू लाल ने पूछा कि फिर मेरे साथ यह अन्याय क्यों? इस पर बाबू हँसते हुए बोला कि इसमें न्याय-अन्याय का प्रश्न ही कहाँ उठता है। बात तो तुम्हारी रीढ़ की है। क्या तुम आगे-पीछे एक सौ अस्सी डिग्री पर झूल सकते हो या तीन सौ साठ डिग्री दाएं-बाएं घूम सकते हो? अगर नहीं तो तुम्हारी प्रमोशन जब होगी, तब होगी। झुन्नू बोले कि मैं तीन सौ मील से आपके पास आया हूँ। दुबारा आना संभव न होगा। कम से कम इतना तो बता दें। बाबू गुस्से होते बोला, 'अभी मेरे पास समय नहीं। मैडम की प्रमोशन आज ही होगी। मुझे उनका केस तैयार करने दो।' झुन्नू लाल सहमते हुए बोले, 'मुझे भी यह तरीक़ा बता दें ताकि मैं भी देर से सही, प्रमोशन ले सकूं।' बाबू हँसते हुए बोला, 'अगर तुम में यह क़ाबिलियत होती तो क्यों सुदूर कबायली इलाक़े में अपनी ऐडियाँ रगड़ रहे होते। महकमे में इतने साल हो गए। कम से कम उनसे ही सीख लिया होता। उनकी नियुक्ति निक्कर वाली सरकार में हुई थी। लेकिन सरकार चाहे टोपी वाली हो या निक्कर वाली। हर सरकार में समय से पहले प्रमोशन होती रही। उनके बॉयोडाटा में हर बार समय से पूर्व प्रमोशन लेना ही उनकी एकमात्र योग्यता और उपलब्धि है। अगर इससे भी मन न भरे तो राज्य के मुख्य सचिव को देख लो। भारत सरकार के सचिवों के पैनल में न होने के बावजूद वह राज्य के मुख्य सचिव हैं। राजधानी आए ही हो तो उन सभी पदों पर नज़र मार लो, जहाँ ऐसे योग्य व्यक्ति राज्य की तरक्की के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। अगर मैंने तुम्हें कुछ ऊँच-नीच बोला हो तो मुझे क्षमा करना। पर अगर यही योग्यता मुझमें होती तो मैं आज सैक्शन ऑफिसर होने की बजाय ज्वाइंट सेक्रेटरी होता।'

देश दुनीया से

सूरज की सौर ऊर्जा

सौर ऊर्जा उनमें से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने का प्रयास करेंगे। मानव सभ्यता प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्नत तो हुई है, किन्तु हमारी ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। यदि इसी तरह ऊर्जा के परम्परागत साधनों का उपयोग बढ़ता गया, तो भविष्य में भयानक ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। दिनों-दिन बढ़ता वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इससे बचाव के लिए वैज्ञानिक जीवाश्म ईंधनों के विकल्पों को तलाश रहे हैं।

जीवाश्म ईंधन और दूसरे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों ने पृथ्वी का तापक्रम बढने और नतीजे में जलवायु परिवर्तन के संकट खड़े कर दिए हैं। अच्छी बात यह है कि दुनियाभर में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर अहर्निश काम हो रहा है। सौर ऊर्जा उनमें से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने का प्रयास करेंगे। मानव सभ्यता प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्नत तो हुई है, किन्तु हमारी ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। यदि इसी तरह ऊर्जा के परम्परागत साधनों का उपयोग बढ़ता गया, तो भविष्य में भयानक ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। दिनों-दिन बढ़ता वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इससे बचाव के लिए वैज्ञानिक जीवाश्म ईंधनों के विकल्पों को तलाश रहे हैं। सभी तरह के विकल्पों में सौर ऊर्जा सबसे बेहतर है क्योंकि यह सस्ती, सर्वसुलभ, निरापद, निरंतर उपयोग लाई जाने वाली अक्षय ऊर्जा है।

हाल ही में मिशिगन यूनिवर्सिटी के जेटियन माई और उनके साथियों द्वारा किए गए एक शोध में उन्होंने तांबा और लोहा आधारित एक ऐसा उत्प्रेरक विकसित किया है जो सौर ऊर्जा का उपयोग कर कार्बन डाईऑक्साइड को मीथेन में परिवर्तित करता है, जिसे हम ईंधन के रूप में उपयोग कर सकते है। 'प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक तांबा-लोहा आधारित यह नया उत्प्रेरक अब तक की सबसे तीव्र दर से और सबसे अधिक ऊर्जा उत्पन्न करने वाला है। वहीं लॉस एंजेल्स, कैलिफोर्निया में एक सौदे के तहत एक विशाल सौर फार्म स्थापित किया जा रहा है जहां दुनिया की एक सबसे बड़ी बैटरी का इस्तेमाल किया जाएगा। यह शहर को 7 प्रतिशत बिजली प्रदान करेगा एवं इसकी लागत बैटरी के लिए 1.3 सेंट प्रति यूनिट और सौर ऊर्जा के लिए 1.997 सेंट प्रति किलोवाट घंटा होगी। यह किसी भी जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न ऊर्जा से काफी सस्ती है। मार्च 2019 में ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस द्वारा 7000 से अधिक वैश्विक भंडारण परियोजनाओं के विश्लेषण से पता चला है कि 2012 के बाद से लीथियम बैटरी की लागत में 76 प्रतिशत की कमी आई है। एक अन्य अध्ययन के अनुसार 2030 तक इसकी कीमतें आधी होने का अनुमान है जो '8-मिनट सोलर एनर्जी' नामक कंपनी द्वारा लगाए गए अनुमान से भी कम है। 'ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस' नवीन सौर-प्लस-स्टोरेज कैलिफोर्निया में तैयार करने जा रही है। इस परियोजना से प्रतिदिन 400 मेगावाट सौर संयंत्रों का जाल बनाया जाएगा जिससे सालाना लगभग 876000 मेगावॉट घंटे बिजली पैदा होगी। यह दिन के समय 65000 से अधिक घरों के लिए पर्याप्त होगी। इसकी मुख्य विशेषता यह है कि इसकी 800 मेगावॉट घंटे की बैटरी सूरज डूबने के बाद बिजली को संग्रहित करके रखेगी जिससे प्राकृतिक गैस जनरेटर की जरूरत कम हो जाएगी। भारत में कुल सिंचित क्षेत्र के लिए 2 करोड़ पंप को बिजली से तथा 75 लाख पंप को डीजल से ऊर्जा मिलती है। कृषि क्षेत्र बिजली का एक प्रमुख उपभोक्ता है। कई राज्यों में कुल बिजली खपत में से एक-चौथाई से लेकर एक-तिहाई तक कृषि में खर्च किया जाता है। यह बिजली की मांग अगले 10 वर्षों में खेती में दुगनी होने की संभावना है। यदि इसके लिए नए विकल्प नहीं अपनाए गए तो खेती में बिजली सप्लाई की स्थिति बिगड़ती जाएगी। यदि यहां भी सौर ऊर्जा का विकल्प अपनाया जाए तो यह बिजली स्थिर कीमत के अनुबंध के आधार पर अगले 25 वर्षों तक 2.75 से लेकर 3.00 रुपए प्रति यूनिट की दर से मिल सकती है। महाराष्ट्र में सौर कृषि फीडर योजना के तहत कुल लगभग 2-3 हजार मेगावॉट के सौर संयंत्र निविदा और क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। यह करीब 7.5 लाख पंप यानी महाराष्ट्र के कुल पंप्स में 20 प्रतिशत को सौर बिजली सप्लाई करने के बराबर है। भारत स्थित क्लाइमेट ट्रेंड्स और इंग्लैंड स्थित ग्रीन टेक स्टार्टअप, राइडिंग सनबीम्स के एक नए अध्ययन से पता चला है कि भारतीय रेलवे लाइनों को सौर ऊर्जा की सीधी आपूर्ति से, रेलवे के राष्ट्रीय नेटवर्क में चार में से कम से कम एक ट्रेन को चलाने से सालाना लगभग 7 मिलियन टन कार्बन की बचत होगी। शोधकर्ताओं ने पाया कि कोयला प्रधान ग्रिड से आपूर्ति की गई ऊर्जा के बजाय सौर से आपूर्ति भी हर साल 6.8 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड तक उत्सर्जन में कटौती कर सकती है, जो देश के एक शहर कानपुर के पूरे वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है। चीन अंतरिक्ष में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की तैयारी कर रहा है।

आप का नजरीया

हिमाचल की चुनावी पड़ताल

राष्ट्रीय चुनाव की कसौटी के बीच हिमाचल की अपनी भी एक पड़ताल अवश्यंभावी दिखाई दे रही है। भले ही आज यानी 18 मार्च में वक्त की सूइयां सुप्रीम कोर्ट से मुखातिब हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव के साथ उपचुनाव के दस्तावेज तैयार हैं। राजनीतिक घटनाक्रम किसको दगा दे गया या आगे चलकर उपचुनाव किस करवट बैठेंगे, यह कयास लगाना इतना भी आसान नहीं कि हम इसे सत्ता और विपक्ष के बीच अभी तौल सकें। यह दीगर है कि क्रॉस वोटिंग से पैदा हुई अनिश्चितता के आयाम जरूर बदल रहे हैं। क्रॉस वोटिंग से उपचुनाव तक पहुंची कांग्रेस के समक्ष लोकसभा से भी बड़ी चुनौती उस परिस्थिति में होगी, अगर उपचुनाव की अनिवार्यता में पार्टी को अपना सत्ता पक्ष बरकरार रखना होगा। चुनाव की जेब में भाजपा या कांग्रेस की दौलत भरी है या एक कातिल मौका सामने आकर खड़ा हो रहा है। कहना न होगा कि भाजपा को विपक्षी मछली का शिकार करना इतना रास आ गया है कि पहले अति सुरक्षित कांग्रेस से राज्यसभा की सीट सरेआम छीन ली और अब उपचुनाव की स्थिति में फिर से सियासी श्रृंगार का अवसर मिल गया। अब छह विधायकों का बागीपन अपनी आशंका की सुबह में नए चिन्ह तलाश करेगा। धर्मशाला, सुजानपुर, लाहुल-स्पीति, बड़सर, गगरेट व कुटलैहड़ के राजनीतिक लालन पालन में सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, रवि ठाकुर, आईडी लखनपाल, चैतन्य शर्मा व देवेंद्र भुट्टो क्या फिर से लाडले बन पाएंगे। क्या सुप्रीम कोर्ट का फैसला उपचुनाव की संभावना को खारिज कर देगा या इसकी नौबत में आकर बागी विधायकों को फिर से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करनी पड़ेगी। क्या क्रॉस वोटिंग का सम्मान समारोह आयोजित करके भाजपा अपने आंगन के फूल बदल कर, सभी के सभी पूर्व कांग्रेसियों को गले लगा लेगी। क्या भाजपा सुधीर शर्मा को लोकसभा चुनाव के मैदान पर उतारने की स्थिति में खुद को आजमा सकेगी। ऐसे में उपचुनाव में दोनों पार्टियों की आजमाइश सिर्फ चुनाव तक ही सीमित नहीं, बल्कि पार्टी के सामान्य जन तक भी होगी। भाजपा के आकाश में मोदी का प्रकाश तो है, लेकिन मुद्दों की पड़ताल में अब चुनावी बांड और इससे जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप भी रहेंगे। कांग्रेस जिन विधायकों से मुक्त होकर सत्ता का नूर बढ़ाना चाहती थी, वहां अब छह नए प्रत्याशियों की खोज, मुख्यमंत्री का ओज और सरकार के पद आबंटन का बोझ स्वयं सिद्ध होने के लिए कटिबद्ध होगा। अगर उपचुनाव की छह सीटों में कम से कम चार पर कांग्रेस जीत जाए, तो यह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के आभामंडल को राहत देगा, लेकिन यहां सारे उपचुनावों के साथ-साथ लोकसभा की चार सीटों की जीत में वह अपना एकछत्र साम्राज्य तथा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह के बाद राज्य की तस्वीर में प्रभुत्व लिख सकते हैं। इसमें दो राय नहीं कि बतौर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष कांग्रेस की गारंटियों से जुड़ी वचनबद्धता रही है और अपने फर्ज में वह आगे निकले हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी लोकतंत्र पर एक *धब्बा* है : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी लोकतंत्र पर एक *धब्बा* है और यह सत्तारूढ़ पार्टी की उल्लेखनीय घबराहट को दर्शाता है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी के साथ खड़ी है। लोकतंत्र की ऐसी की तैसी कहते हुए उन्होंने कहा कि 400 से अधिक सीटों की सभी चर्चाओं के बावजूद सत्तारूढ़ सरकार उल्लेखनीय स्तर की घबराहट प्रदर्शित कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आम चुनाव की घोषणा के कुछ ही दिनों के भीतर एक मौजूदा विपक्षी मुख्यमंत्री को एक लचीली केंद्रीय एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किया जाना लोकतंत्र पर एक धब्बा है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और प्रमुख अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार रात को दिल्ली की आबकारी नीति 2021-22 में अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा मतदान के लिए सुरक्षित और डर रहित वातावरण सुनिश्चित करना पुलिस का दायित्व

जयपुर (हिंस)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपादित करने में पुलिसकर्मियों की भूमिका अहम है। प्रदेश के मतदाता बिना किसी लालच, हिचक और डर के अपना वोट दें, यह सुनिश्चित करना पुलिस का उत्तरदायित्व है। गुप्ता ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन-2024 निर्बाध रूप से सम्पन्न हो इसके लिए पुलिस विभाग अन्य विभागों के साथ आपसी सामंजस्य के साथ काम करे। साथ ही प्रदेश में संवेदनशील और क्रिटिकल बूथों की पहचान कर वहां शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए योजनाबद्ध रूप से पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करें। गुप्ता आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए), जयपुर में आयोजित पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह संभावित अप्रिय हालातों के लिए पहले से ही तैयार रहे ताकि समय रहते उन्हें रोका जा सके। इसके लिए त्वरित आपसी संचार और सूचना तंत्र सुदृढ़ होना जरूरी है। त्वरित और सही दिशा में सूचनाओं के आदान-प्रदान से किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सकता है। पहली बार चुनाव के दौरान इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 40 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के सफल आयोजन के लिए निर्वाचन विभाग द्वारा पुलिस अधिकारियों के लिए हैंडबुक भी जारी की गई है। इसमें पुलिस कर्मियों की सहायता के लिए चुनाव से संबंधित नियम, विधियां और दिशा-निर्देश शामिल किए गए हैं। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से इस हैण्डबुक को ध्यानपूर्वक पढ़ने तथा अनुसरण करने के लिए कहा। गुप्ता ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले सर्कुलर, हैंडबुक, प्रोटोकॉल और मैनुअल को भी पढ़ने के लिए कहा। उन्होंने चुनाव के 48 घंटे पहले के साइलेंस पीरियड पर विशेष सावधानी बरतने तथा तदनुसार व्यवस्थाएं करने के लिए भी अधिकारियों को बताया। गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन लॉ ऑर्डर रिपोर्ट बनाकर आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि रैपिड एक्शन टीम धमकाने, घूसखोरी, साम्प्रदायिक संघर्ष और भ्रष्टाचार के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसके खिलाफ त्वरित कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से बेहतर मॉनिटरिंग के प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि चुनाव प्रक्रिया का शांतिपूर्ण संपादन किया जा सके। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मी अपने कर्तव्य के साथ-साथ मतदाता होने के अपने कर्तव्य का भी पालन कर सकें, इसके लिए उन्हें डाक मतपत्र की सुविधा दी गई है। गुप्ता ने सभी अधिकारियों से ईवीएम प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और भंडारण संवेदनशील कार्य है, जिसे पूरी जिम्मेदारी से किया जाए। उन्होंने गत राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान सी-विजिल मोबाइल एप्लिकेशन की सफलता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में यह एप काफी कारगर साबित हुआ है। इस एप के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निस्तारण संभव हुआ है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (प्रशिक्षण) मालिनी अग्रवाल ने कहा कि हमारे देश में चुनाव संपादित करने के लिए बड़ी संख्या में मानव संसाधन को नियोजित करना होता है। उन्होंने कहा कि बेहतरीन संसाधन प्रबंधन से ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपादित करने में सफलता हासिल की जा सकती है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) विशाल बंसल ने कहा कि पुलिस आदर्श आचार संहिता की पालना किया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि चुनौतिपूर्ण और संवेदनशील बूथों पर पुलिस की विशेष व्यवस्था की जाए। पुलिस महानिरीक्षक अनिल कुमार टांक ने अधिकारियों को सफल चुनाव प्रक्रिया के लिए प्रत्येक बूथ पर आवश्यकता अनुसार योजनाबद्ध तरीके से पुलिस तैनाती किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी आलोक जैन सहित पुलिस के आला अधिकारी शामिल थे। कुछ अधिकारियों ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करने जंजीरों में बंधे सपा विधायक अमिताभ

कानपुर (हिंस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के विधायक अमिताभ बाजपेई अपने आप को जंजीरों में बांधकर समर्थन किया। अपने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन करने के लिए प्रसिद्ध समाजवादी पार्टी के विधायक अमिताभ बाजपेई आज फिर एक बार मीडिया की सुर्खियों में आ गए। जब वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार दोपहर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे तो वहां सपा विधायक अमिताभ बाजपेई भी उनके समर्थन में पहुंचे। वह अपने आप को अलग दिखाने के लिए जंजीरों से जकड़े हुए नजर आए। यह जानकारी होते ही कानपुर नगर के मीडिया के लोग भी वहां पहुंचे। सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने इस तरह की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा कि यह अन्यायपूर्ण है। ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा है।

जेल में आजम खां से मुलाकात के बाद बोले अखिलेश, भाजपा को सबक सिखाएगी जनता

सीतापुर (हिंस)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार दोपहर जिला जेल में बंद आजम खां से मुलाकात की है। जेल में दोनों के बीच करीब 1 घंटे से अधिक समय तक मुलाकात चली। इस मुलाकात के दौरान जेल के अंदर अखिलेश यादव के साथ पूर्व विधायक और नव नियुक्त राष्ट्रीय सचिव अनूप गुप्ता सहित रामपुर के सपा जिलाध्यक्ष गए थे। आजम से अखिलेश यादव की यह मुलाकात रामपुर सीट के लिए अहम मानी जा रही है। बताया जाता है कि आजम की प्रत्याशी के नाम पर सहमति के बाद ही अखिलेश यादव रामपुर सहित अन्य आसपास की सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर सकते हैं। बताते चलें कि आजम खां 22 अक्टूबर 2023 से जिला कारागार सीतापुर में बंद हैं। लोकसभा चुनाव के चलते पहले चरण में रामपुर सीट के लिए नामांकन शुरू हो गया है। 27 मार्च को नामांकन की अंतिम तारीख होने के बावजूद भी सपा ने अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। अब आजम से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव प्रत्याशियों की घोषणा कर सकते हैं। जेल से निकलने के बाद अखिलेश यादव पूर्व महोली विधायक और सपा के नव नियुक्त राष्ट्रीय सचिव अनूप गुप्ता के आवास पहुंचे जहां पर उन्होंने रामपुर से आए कुछ नेताओ और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। जेल से निकलने के बाद अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। अखिलेश यादव ने आजम खान के बारे में बात करते हुए बताया कि जेल में कैसे जिंदगी काटी जाती है, यह सबको पता है, जेल तो जेल है। भाजपा पर बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा वर्ल्ड की सबसे बड़ी पार्टी बनने का दावा करती है लेकिन ऐसा लगता है मुकदमा करवाने में भाजपा ब्रह्मांड में झूठे मुकदमों का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे हैं, इलेक्ट्रोरल बांड ने भाजपा का बैंड बजाया, उसकी वजह से आप दिल्ली में देख लीजिए क्या हो रहा है? क्या देश स्वीकार करेगा कि झूठे मुकदमे लगाकर सभी को जेल भेज दें। अन्याय की कोई उम्र नहीं होती लेकिन सच्चाई की जीत होगी। अखिलेश ने कहा चुने मुख्यमंत्री को जेल भेजने से लोकतंत्र की जीत नहीं होने वाली, लोकतंत्र में जो आवाज उठाना चाहते हैं, सरकार उसकी आवाज दबाने का काम कर रही है उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास जवाब नहीं है उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा पेपर लीक हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी को जनता सबक सिखाएगी। पल्लवी पटेल के द्वारा दिए गए बयान पर अखिलेश यादव ने कहा कि साथ छोड़ने वालों की कहानी बहुत लंबी है, मीडिया से बेहतर कोई नहीं जानता, कोई क्यों साथ छोड़ रहा है। भाजपा के पास इस बात का जवाब नहीं है कि आखिर उनको चंदा किससे और क्यों मिला है? इलेक्टोरल बांड ने भारतीय जनता पार्टी का बैंड बजा दिया है, इसीलिए गिरफ्तारियां हो रही है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेतृत्व करने वाला राजा नहीं हो सकता : सुदेश महतो

रांची (हिंस)। आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेतृत्व करने वाला राजा नहीं हो सकता। लोकतंत्र जनता से, जनता के लिए और जनता के द्वारा चलने वाली व्यवस्था है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता, जनता के सेवक होते हैं। महतो ने शुक्रवार को हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सैनिक प्रकोष्ठ कांग्रेस के नेता सह निलय इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरपर्सन भूतपूर्व सैनिक भीम मुंडा के साथ प्रदीप उरांव, प्रदीप कुमार, गंगाधर प्रसाद, अफरोज अंसारी (छोटू) समेत कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सुदेश कुमार महतो ने पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि सभी वर्गों का पार्टी में जुड़ना अच्छा संदेश है।

नवादा में जहरीले फल खाने वाले 7 में से दो बच्चों की हालत गंभीर

नवादा (हिंस)। नवादा में जंगली फल खाने से बीमार 7 में से दो बच्चो की स्थिति गम्भीर बनी हुई है। चिकित्सकों ने शुक्रवार की शाम बीमार बच्चों के परिजनों को हायर सेंटर में ले जाकर इलाज कराने की सलाह दी है। दो बच्चे की हालत बिगड़ गई है। सभी को नवादा सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सभी का इलाज किया जा रहा है, बहरहाल बच्चों की हालत खराब बताई जा रही है। बता दें कि यह घटना जिले के मुफसिल थाने के गोनवां गांव में हुई है। नवादा के शिवनगर गोनावां मोहल्ले में यह घटना हुई थी, जिसमें मुहल्ले के विकास कुमार, लक्षण कुमार 8 साल, रौशन कुमार 6 साल, प्रदीप कुमार, संदीप कुमार, आशिक कुमार 12 साल शामिल है। अस्पताल में परिजनों ने बताया कि बच्चे खेलने के दौरान ही फल खा लिए थे। जहरीले फल रेंगनी के कांटे का फल जैसा दिख रहा था। बता दें कि गोनवां गांव के समीप सरकारी आईटीआई के पास नर्सरी में सभी बच्चे खेल रहा था, उसी दौरान जंगली फल पर नजर पड़ा और पका हुआ देख सभी ने खा लिया। जंगली फल खाने के थोड़ी देर बाद एक -एक कर सभी बच्चे उल्टी करने लगे और धीरे-धीरे सभी बेहोश होने लगे। सभी के परिजनों को इसकी जानकारी मिली तो जानकारी मिलते हीं सभी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां दो बच्चों की हालत ज्यादा खराब बताई जा रही है। पांच बच्चों के हालत स्थिर है। फिलहाल डॉक्टरों के द्वारा सभी का इलाज किया जा रहा है। इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि इस तरह के जहरीले फल खाने वालों की स्थिति किसी भी समय खराब हो सकती है। एक सप्ताह तक जीवन पर खतरा बने रहने की बात डॉक्टर ने कही है।

हेमंत सोरेन और केजरीवाल में बहुत सारी समानताएं : प्रतुल शाहदेव

रांची (हिंस)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने शुक्रवार को सत्ताधारी गठबंधन पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड और दिल्ली में बहुत सारी समानताएं हैं। प्रतुल ने कहा कि जहां हेमंत सोरेन ने ईडी के 10 समन को नजरअंदाज किया था, वहीं अरविंद केजरीवाल ने भी नौ समन को नजरअंदाज किया। वह भी तब जब इन्होंने कानून के प्रति आस्था की शपथ ली थी। प्रतुल ने कहा कि केजरीवाल ने *दवा से दारू* और *मोहल्ला क्लीनिक से महल तक* का लंबा राजनीतिक सफर तय कर लिया। ऐसा लगता है केजरीवाल ने शराब के बोतल पर लिखा लेवल ही नहीं पढ़ा, जिसमें साफ लिखा है कि शराब स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। शराब नीति में बड़ा परिवर्तन करके अरबों रुपए का राज्य सरकार को नुकसान पहुंचाने के आरोप के कारण आज वह गिरफ्तार हो गए हैं। प्रतुल ने कहा कि हेमंत सोरेन ने यहां के आदिवासी मूलवासी को जल, जंगल और खनिज संपदा पर हक देने की बात कही थी लेकिन उल्टे वह खनिज संपदा को हथियाने में लग गए। केजरीवाल और हेमंत वैसे नेताओं की श्रेणी में आते हैं जो भ्रष्टाचार करते हैं और बाद में अत्याचार का नारा लगाते हैं। प्रतुल ने झामुमो पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस के अकाउंट फ्रीज के मुद्दे पर बोलने का उसको तो नैतिक अधिकार ही नहीं। क्योंकि, झारखंड मुक्ति मोर्चा डीबीटी यानी डायरेक्ट वसूली पर विश्वास रखती है। कांग्रेस ने इनकम टैक्स की धारा 13 ए का उल्लंघन किया।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ जयपुर में प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

जयपुर (हिंस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से नाराज आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। जयपुर में भी पार्टी के कार्यकर्ता शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। जिन पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं को चोट भी लगी। पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को मौके से हिरासत में ले लिया है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार लोकतंत्र को खत्म करने में लगी हुई है। लोकसभा चुनाव से पहले वह जनता की आवाज को दबाने की कोशिश में जुटी है। यही कारण है कि उन्होंने देश के सबसे ईमानदार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दिया है। जिसे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ ही देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि आज हम इसके विरोध में गांधीवादी तरीके से भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। लेकिन राजस्थान में बीजेपी की सरकार के दबाव में पुलिस ने हम पर लाठीचार्ज कर तानाशाही की है। इसे अब राजस्थान और देश की जनता समझ चुकी है। हम ना दबेंगे ना झुकेंगे। बल्कि, बीजेपी को सबक सिखा के दम लेंगे। दोपहर 12 बजे ज्योति नगर स्थित कार्यालय से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा मुख्यालय का घेराव करने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भाजपा मुख्यालय जाने से रोकने की कोशिश की। लेकिन जब कार्यकर्ता नहीं रुके। तो पुलिस ने उन्हें हल्का बल प्रयोग कर दोपहर एक बजे हिरासत में ले लिया।

बेगूसराय लोस सीट पर सीपीआई से अवधेश राय होंगे उम्मीदवार कन्हैया कुमार का पत्ता साफ

पटना (हिंस)। राजद ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) को बेगूसराय लोकसभा सीट दे दिया है। सीपीआई ने इस सीट से उम्मीदवार के नाम का भी एलान कर दिया है। इसके साथ कन्हैया कुमार के लिए बेगूसराय की सीट मांग रही कांग्रेस को लालू यादव से जोरदार झटका लगा है और कन्हैया का पत्ता साफ हो गया है।सीपीआई महासचिव डी. राजा ने शुक्रवार को पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सीपीआई राज्य कमेटी की बैठक में बेगूसराय से अवधेश राय को उम्मीदवार बनाने का फैसला लिया गया है। अवधेश राय बेगूसराय से आईएनडीआईए के उम्मीदवार होंगे। डी राजा ने कहा कि सीपीआई की मांग दो सीटों की है लेकिन फिलहाल एक सीट देने का फैसला हो गया है। दूसरे सीट को लेकर राजद से बातचीत जारी है। उम्मीद है कि उनकी पार्टी को दूसरी सीट भी मिल जाएगी। डी. राजा एक दिन पहले ही सीपीआई राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव से मिले थे। वहां हुई बातचीत में राजद ने बेगूसराय सीट को सीपीआई को देने का एलान किया। इसके बाद सीपीआई की राज्य कमेटी की बैठक में उम्मीदवार चुन लिया गया। उल्लेखनीय है कि पिछले लोकसभा चुनाव में कन्हैया कुमार सीपीआई के उम्मीदवार बनकर यहां से लड़े थे। बाद में वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

बाहरी के बजाए स्थानीय के पक्ष में रहेगा अलवर का यादव समाज : भारत यादव

अलवर (हिंस)। यादव समाज के जिलाध्यक्ष भारत यादव सहित जिले के समाज के लोगों ने शुक्रवार को मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पर उन्होंने कई सवाल खड़े किए। उन्होंने यहां यह भी साफ किया कि वह किसी पार्टी की ओर से नहीं बल्कि समाज की ओर से बोल रहे हैं। समाज के लोग उनके साथ बैठे हैं। जिलाध्यक्ष भारत यादव ने कहा कि भाजपा के प्रत्याशी भूपेंद्र यादव बड़े नेता है। यह हमें भी पता है। लेकिन बड़े नेता ने अलवर यादव समाज के लिए क्या काम किया है। अगर एक कोई काम किया हो तो कृपया वह समाज के सामने रखे। एक अहीर रेजिमेंट बनवाने के लिए समाज सड़कों पर लड़ाई लड़ रहा है। उसमे भी भूपेंद्र यादव कभी नजर नहीं आए। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र यादव ने यदि कुछ बड़ा काम किया है तो समाज के सामने आकर बताएं। 4 फरवरी 2022 से अहीर रेजिमेंट का आंदोलन चल रहा है। जिसमें देशभर के समाज के लोग आ रहे हैं लेकिन भूपेंद्र यादव अब तक उस आंदोलन में एक दिन नहीं आए। जबकि उसमें यूपी, बिहार से भी यादव समाज के नेता आए हैं। अब हम कैसे एक बाहर से आए नेता पर विश्वास कर लें। जबकि हमारा अपना स्थानीय नेता (छोरा) खड़ा है। ऐसे में बाहर के नेता से उसे कैसे पिटवा सकते हैं। स्थानीय हमारे लिए पहले है। जिसने यादव समाज के हर काम में आगे चलकर भूमिका निभाई है। इसलिए समाज ने यह फैसला लिया है चुनाव में यादव समाज स्थानीय प्रत्याशी ललित यादव के साथ खड़ा रहेगा। इस दौरान पत्रकार वार्ता में बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। जो जिले की बहरोड़, मुंडावर, तिजारा और किशनगढ़बास विधानसभा से आए थे। जिलाध्यक्ष यादव ने कहा कि पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव सभी वर्गों के सम्मानीय हैं। जिन्होंने डॉक्टर रहते हुए जनता की सेवा की। फिर यादव ही नहीं सर्व समाज ने उनको सिर आंखों पर बैठाया लेकिन अब विधानसभा व लोकसभा में उनके पसंद के टिकट नहीं मिले तो वह अनर्गल आरोप लगा रहे। क्या उन्हें टिकट मिलता तो तब भी वह यह आरोप लगाते। पिछले चुनाव में उन्होंने कहा था यह मेरा अंतिम चुनाव है फिर भी अब चुनाव की क्यों लगी है। अब स्थानीय नौजवान को मौका मिला है तो घर का मुखिया होकर साथ देना था। जनता में डॉ. करण सिंह का सम्मान आज भी है। उनको अब भी अपने फैसले पर सोचना चाहिए। यह उनका व्यक्तिगत फैसला है। लेकिन उन्होंने सार्वजनिक मंच से कई गलत बयान भी दिए हैं।

सपा से बगावत करने वाले विधायक अभय सिंह को मिली वाई श्रेणी सुरक्षा

सीतापुर (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अभय सिंह को शुक्रवार को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इस संबंध में गृह मंत्रालय से आदेश जारी किया गया है। सपा नेता अभय सिंह ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग कर भाजपा के समर्थन में अपना वोट डाला था। समाजवादी पार्टी के टिकट पर अयोध्या की गोसाईगंज सीट से अभय सिंह विधायक हैं। सपा से विद्रोह के बाद अब उन्हें सीआरपीएफ के जवानों के सुरक्षा प्रदान की गई है।

इनामी बदमाश को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमला

लखीमपुर खीरी (हिंस)। भीरा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक इनामी बदमाश को पकड़ने गई पुलिस टीम पर लोगों ने हमला कर दिया। इस हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर भारी पुलिस बल के साथ आलाधिकारी भी पहुंच गए। भीरा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत भीरा कस्बे में चोरी के मामले में महतो बिरादरी के 21 हजार रुपए के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार करने पुलिस गई थी। जैसे ही पुलिस ने आरोपी को पकड़ा तो उसकी बिरादरी के लोगों ने पुलिस की गाड़ी को घेर लिया और महिलाएं गाड़ी के आगे लेट गई। कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर पहुंच गए। इसके बाद पुलिसकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। आरोपी को छुड़ाने के लिए बिरादरी की महिलाएं व पुरुष अक्रामक हो गए और पुलिस पर हमला बोल दिया। पुलिस की गाड़ी के शीशे आदि भी फूट गए। हमले में तीन सिपाही घायल हुए हैं। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस की ओर से जारी बयान में पुलिस कर्मियों के घायल होने की बात नहीं कही गई है। साथ ही इनामिया बदमाश व घटना में शामिल लोगों पर कार्रवाई की बात कही जा रही है।

कोसी के दियारा क्षेत्र में बिहार दिवस पर मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई

सहरसा (हिंस)। जिला पदाधिकारी वैभव चौधरी के आदेशानुसार बिहार दिवस के शुभ अवसर पर सलखुआ प्रखंड के कोसी के दियारा क्षेत्र फरकिया में शुक्रवार को जिला पदाधिकारी वैभव चौधरी के आदेशानुसार बिहार दिवस के शुभ अवसर पर संकुल समन्वयक सह प्रखंड अध्यक्ष बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ सलखुआ के सुदर्शन कुमार गौतम के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान रैली निकाली गई। मतदाता जागरूकता अभियान रैली में शिक्षक- शिक्षिका, छात्र-छात्रा, अभिभावक सभी ने नारा लगाते हुए पहले मतदान, तब जलपान, एक वोट से होती है जीत हार, कभी ना करें, अपना वोट बेकार। शिक्षक नेता सुदर्शन कुमार गौतम ने बुजुर्गों, महिलाओं और आम जनों को मतों के अधिकार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिए। उन्होंने कहा कि आप लोग अपना एक-एक वोट 7 मई कोअपने-अपने मतदान केंद्र पर जाकर अपने मत का मतदान करें, उसके बाद ही जलपान करें, एक वोट से होती है जीत हार अपने वोट को कभी ना करें बेकार। उसके बाद छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता जागरूकता किया गया एवं नशा मुक्त हो बिहार पर भी नुक्कड़ नाटक द्वारा ग्रामीणों को नशा न करने के लिए प्रेरित किया गया।

बैंकों में साइबर खतरे से निपटने की पूरी तैयारी; अधिक पैसे खर्च कर साइबर सुरक्षा को मजबूत बना रहे

नई दिल्ली ।
तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर सुरक्षा बड़ा सवाल बनकर सामने आया है। ताजा घटनाक्रम में बैंकों में साइबर सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। बैंकों में साइबर खतरों के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाने के लिए अधिक पैसे खर्च किए जा रहे हैं। बैंकों के खर्चों पर अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी- मूडीज की तरफ से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्तीय संस्थानों में साइबर सुरक्षा की अहमियत पर ध्यान दिया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के दौरान 240 बैंकों में होने वाले खर्चों का आकलन किया गया।

साइबर सिक्योरिटी पर दुनियाभर के बैंकों का फोकस - मूडीज ने साइबर सुरक्षा पर खर्च होने वाली रकम के आकलन पर विस्तार से रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक दुनियाभर के बैंकों ने खुलासा किया है कि कंपनियां आकार या क्रेडिट ताकत की परवाह किए बिना साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने पर निवेश बढ़ा रही हैं। बैंक और वित्तीय संस्थान साइबर अपराधियों के प्रमुख निशाने पर हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ग्राहकों के करोड़ों रुपये बैंकों के भरोसे पर खातों में जमा रहते हैं। प्रतिदिन लाखों-करोड़ों रुपये का लेन-देन होता है। बैंकों के पास खाताधारकों की निजी और गोपनीय सूचनाएं भी होती हैं।

अमेरिका और एशिया प्रशांत में अफ्रीकी देशों की तुलना में अधिक निवेश - मूडीज ने बताया कि अधिकांश वित्तीय संस्थानों में 2019 के बाद से सभी क्षेत्रों में सूचना और प्रौद्योगिकी (आईटी) का बजट बढ़ा है। खास तौर पर साइबर सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। अमेरिका और एशिया-प्रशांत की कंपनियों ने यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों की तुलना में अधिक निवेश किया है।

क्लाउड आधारित आईटी ढांचे से मिल रहा सहयोग - सर्वेक्षण में शामिल बैंकों में लगभग 80 फीसदी ने कहा कि उनका बुनियादी ढांचा बैंक परिसर में ही रहता है। बैंक धीरे-धीरे मजबूत रक्षा क्षमता वाले क्लाउड सर्विस और सॉफ्टवेयर सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनियों का रूख कर रहे हैं। बड़े बैंकों का 65 फीसदी बुनियादी ढांचा परिसर के भीतर ही रहता है।

न्यूज ब्रीफ

फरवरी 2024 में 3.70 लाख से अधिक गाड़ियां बिकीं, मारुति-सुजुकी और टाटा सहित कई कंपनियां ला रही नए मॉडल

नई दिल्ली। फरवरी 2024 में भारत में 3.70 लाख से अधिक गाड़ियां बिकीं। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, ग्राहकों से मिल रहे अच्छे रुझान की वजह से ही ऑटो कंपनियां मार्केट में नए-नए मॉडल उतार रही हैं। साल 2024 के आने वाले महीनों में भी मारुति-सुजुकी और टाटा सहित कई कंपनियां अपने नए मॉडल बाजार में उतारेगी ।आप भी अगर नई गाड़ी लेने की सोच रहे हैं तो आपको भी एक नजर आने वाली गाड़ियों पर जरूर मार लेनी चाहिए। हो सकता है कि आपकी फेवरेट कंपनी भी कोई धांसू मॉडल बाजार में जल्द लाने वाली हो। खास बात यह है कि इस साल एसयूवी से लेकर लगभग हर सेगमेंट में नए मॉडल आ रहे हैं। मारुति-सुजुकी अगले महीने यानी अप्रैल में न्यू जरनेरशनस्विफ्ट को लॉन्च कर सकती है। हालांकि कंपनी ने अभी इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। मारुति न्यू-जेन स्विफ्ट की कीमत 6.50 लाख रु. 10.00 लाख रुपये के बीच हो सकती है। सुजुकी स्विफ्ट मैनुअल और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स ऑप्शन के साथ 1.2-लीटर डुअल जेट पेट्रोल इंजन के साथ आ सकती है। महिंद्रा एंड महिंद्रा भी अपनी लोकप्रिय एसयूवी थार का पांच दरवाजों वाला वर्जन को जून तक बाजार में उतार सकती है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी कीमत 15 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू हो सकती है। गाड़ी में 18 इंच के अलॉय व्हील, सिग्नेचर सिक्स-स्लैट ग्रिल डिज़ाइन, स्क्वायर टेल लाइट्स, चंकी व्हील क्लैडिंग, क्रूज़ कंट्रोल, रिमोट कीलेस एंट्री, सात इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर मिल सकते हैं। टाटा मोटर्स ने ऑटो एक्सपो 2024 में हैरियर ईवी पर से पर्दा उठाया था और आने वाले महीनों में कंपनी इस कार को लॉन्च सकती है।

ईडी ने देशभर में कई स्थानों पर चलाया तलाशी अभियान; 16.43 करोड़ की राशि फ्रीज, 78 लाख नकद जब्त

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश में कई स्थानों पर पीएमएलए के तहत तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में नकदी जब्त की है। जांच एजेंसी की अहमदाबाद शाखा ने 20 मार्च को पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत बेंगलुरु और पुणे में स्थित एक भुगतान एग्रीगेटर्स के छह परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई उन मर्चेंट्स आईडी के खिलाफ किया गया जिनका उपयोग दानी डेटा एप के नियंत्रकों ने आम जनता से एप के माध्यम से भुगतान प्राप्त करने के लिए किया गया। ईडी ने तलाशी अभियान के दौरान 16.43 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज की। वहीं दूसरी ओर, एजेंसी ने 21 मार्च को दिल्ली, मुंबई और गोवा में 9 स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दलेमैन री-आईटी ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के मामले में तलाशी अभियान चलाया।

सरकारी बैंकों का एनपीए छह माह में 3.5 फीसदी तक रहने की उम्मीद, फिक्की-आईबीए ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली । देश के सरकारी बैंकों के बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। अगले छह माह में इनके और घटकर 3 से 3.5 फीसदी तक आने की उम्मीद है। फिक्की और इंडियन बैंक एसोसिएशन की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में निजी क्षेत्र के 67 फीसदी बैंकों के भी एनपीए में गिरावट आई है। सर्वेक्षण में शामिल 77 प्रतिशत बैंकों के एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सरकारी बैंकों की संपत्ति गुणवत्ता में अधिक सुधार हुआ है। जुलाई से दिसंबर, 2023 के बीच यह सर्वे किया गया था। इसमें निजी, सरकारी और विदेशी बैंकों सहित कुल 23 बैंकों ने भाग लिया। इन सभी की बाजार हिस्सेदारी 77 फीसदी है। सभी सरकारी बैंकों के एनपीए में कमी आई है। किसी भी सरकारी और विदेशी बैंक के एनपीए में छह माह में वृद्धि नहीं हुई है। 22 प्रतिशत निजी बैंकों का एनपीए बढ़ा है। खाद्य प्रसंस्करण और कपड़ा क्षेत्र में ज्यादा एनपीए खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्र में ज्यादा एनपीए हैं। अगले छह महीनों में 41 प्रतिशत बैंकों को गैर-खाद्य उद्योग कर्ज वृद्धि 12 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है।

लिथियम खदान की बोली 38 गुना अधिक दर, कई बड़ी कंपनियां हुई शामिल

कोरबा ।
देश की पहली लिथियम खदान कोरबा जिले के कटघोरा में खुले की उम्मीद हैं। केन्द्रीय खान मंत्रालय द्वारा की गई नीलामी में कटघोरा लिथियम ब्लॉक के लिए रिजर्व प्राइज 2 प्रतिशत के विरुद्ध 76.05 प्रतिशत की बोली आई, जो रिजर्व प्राइज से 38 गुना अधिक है। हालांकि, अभी सफल बोलीदाता का नाम सामने नहीं आया है। कटघोरा के साथ ही कश्मीर के रियासी स्थित लिथियम ब्लॉक की भी नीलामी शुरू की गई। किंतु शुरुआती दौर में ही इसके लिए समुचित बोलीदार आगे नहीं आए, जिसके कारण एमएसटीसी पोर्टल पर चल रही इसकी ऑनलाइन नीलामी रोक दी गई। लिथियम की खदान शुरू होने पर कोरबा ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश में भी समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। कटघोरा जहां आधारभूत सुविधाओं से युक्त मैदानी इलाके में है, छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था भी अच्छी है। इसी कारण से यह निवेशकों के लिए भी आदर्श राज्य माना गया। वहीं कश्मीर पहाड़ी क्षेत्र है, साथ ही वह एक संवेदनशील प्रदेश भी माना जाता है। ग्राम घुचापुर कटघोरा के आसपास के 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने की। बोली में ओला, वेदांता, जिंदल, श्री सीमेंट, अडाणी समूह, अल्ट्राटेक सीमेंट सहित अनेक बड़ी कंपनियां शामिल हुई। अर्जेंटीना देश की एक कंपनी की भी बोली में भाग लेने की जानकारी मिली है। यह एक नरम तथा चांदी के समान सफेद धातु है। मानक परिस्थितियों में यह सबसे हल्की धातु और सबसे हल्का ठोस तत्त्व है। यह अत्यधिक प्रतिक्रियाशील और ज्वलनशील है। ग्लोबल मार्केट में एक टन लिथियम की कीमत 57.36 लाख

रुपए है।

जितना दोहन, उसके बाजार मूल्य का 76 प्रतिशत प्रदेश को मिलेगा - दुर्लभ खनिजों की इस नीलामी की प्रक्रिया में पहले इनिशियल बीडिंग की शुरुआत की गई। इस पहले दौर की नीलामी में ही कटघोरा लिथियम ब्लॉक के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी कोल इंडिया सहित विभिन्न निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई। इनमें ई-बाइक बनाने वाली ओला, वेदांता, जिंदल, श्री सीमेंट, अडाणी समूह, अल्ट्राटेक सीमेंट सहित अनेक बड़ी कंपनियां शामिल थी। अर्जेंटीना की एक कंपनी की भी बोली में भाग लेने की जानकारी मिली है। दूसरे चरण में फॉरवर्ड बीडिंग दोपहर 2 बजे से शुरू की गई ।एक अधिकारी के मुताबिक कटघोरा ब्लॉक के लिए रिजर्व प्राइस 2 प्रतिशत के विरूद्ध 76.05 प्रतिशत की बोली मिली अर्थात लिथियम दोहन की जो मात्रा होगी, उसके उस समय के बाजार मूल्य का 76 प्रतिशत छत्तीसगढ़ राज्य को मिलेगा। यह राशि हजारों करोड़ में संभावित है। इसके अलावा केन्द्र सरकार द्वारा तय 3 प्रतिशत की रायल्टी व डीएमएफ की राशि भी प्राप्त होगी। लिथियम के कटघोरा ब्लॉक के लिए कंपोजिट लाइसेंस दिया जा रहा है। जिसमें परीक्षण व खनन दोनों ही अधिकार शामिल है।

250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि - बीते वर्ष देश में सबसे पहले कश्मीर में लिथियम ब्लॉक मिलने की घोषणा केन्द्रीय खान मंत्रालय ने की थी। ऊर्जा, सीमेंट व रणनीतिक महत्व के दुर्लभ खनिज के रूप में उपयोगी लिथियम के देश में पाए जाने को एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा गया। इसके कुछ दिनों के बाद ही छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के ग्राम घुचापुर कटघोरा के आसपास के 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने की। लिथियम के इस भंडार से खनन योग्य व अच्छी गुणवत्ता का खनिज है। केन्द्रीय खान मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों में स्थित लिथियम सहित अन्य प्रमुख दुर्लभ व रणनीतिक खनिजों के 20 ब्लाक की खुली नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई। लिथियम साधारण परिस्थितियों में लिथियम प्रकृति की सबसे हल्की धातु है। इसका प्रतीक (एलआई) और परमाणु संख्या 3 है। चांदी जैसा नरम और सफेद ये क्षार धातु मानक परिस्थितियों में सबसे कम सघन मेटल और सबसे कम घना ठोस तत्व होता है। वर्तमान में इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री में इसकी सर्वाधिक उपयोगिता है। डिजिटल उपकरण व ई-वाहन की बैटरी बनाने में इसका उपयोग होता है। इस्पात व सीमेंट उद्योग में भी इसका उपयोग होता है। भारत में लिथियम भंडार मिलने से सबसे बड़ा फायदा इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री को होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें कम होंगी ।लिथियम भंडार के लिए कंपोजिट लायसेंस दिया जाएगा। ऐसे में तय कंपनी को पहले प्रॉस्पेक्टिंग की प्रक्रिया करनी होगी यानी क्षेत्र में खनन से पहले खनन कहां से शुरू की जाए इस पर सर्वे करना होगा। इसके बाद खनन की प्रक्रिया शुरू होगी। सब कुछ ठीक रहा तो कंपनी जल्द प्रॉस्पेक्टिंग सर्वे शुरू कर सकेगी। सर्वे के बाद डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जाएगी। लिथियम खनन शुरू होने के बाद इससे जुड़ी कंपनियां काम शुरू करेंगी। इसके लिए तकनीकी एक्सपर्ट की जरूरत पड़ेगी साथ ही संसाधनों के विकास के लिए भी लोगों की आवश्यकता होगी। इससे रोजगार मिलेगा और बाजार में भी बढ़ोतरी आएगी। प्रदेश में विकास के लिए तय राशि, रॉयल्टी व डीएमएफ के लिए भी इससे सहयोग मिलेगा, जो हजारों करोड़ रुपए में होगा।

स्मार्टफोन हो, इलेक्ट्रिक हो या नॉर्मल कार या फिर कोई और बैटरी वाला प्रोडक्ट इन सबमें लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल होता है। आने वाले वक्त में एनर्जी का बड़ा सोर्स लिथियम आयन बैटरी होगी। दुनियाभर के तमाम देश पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर अपनी निर्भरता को कम कर रहे हैं। इन सबमें लिथियम का बड़ा योगदान है।

बंगाल सरकार के मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, अर्द्धसैनिक बल के जवान तैनात

कोलकाता ।
ईडी ने पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री और टीएमसी नेता चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में यह कार्रवाई की। ईडी के अधिकारी अर्द्धसैनिक बल के जवानों के साथ छापेमारी करने पहुंचे। जवानों ने चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों की घेराबंदी की और ईडी के अधिकारी अंदर जांच कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईडी की छापेमारी बंगाल के करोड़ों रुपये के स्कूल भर्ती घोटाला मामले में हुई है। ईडी ने इस मामले में बंगाल में पांच जगहों पर छापेमारी की, जिनमें चंद्रनाथ सिन्हा का घर भी शामिल है। चंद्रनाथ सिन्हा, बंगाल की टीएमसी सरकार में एमएसएमई और कपड़ा मंत्री हैं।

पैसे लेकर सरकारी स्कूलों में भर्ती करने के आरोप

आरोप है कि बंगाल में पैसे लेकर सरकारी स्कूलों में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की गईं। आरोपों के बाद सीबीआई ने इसका जांच की तो इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग होने का खुलासा हुआ। इसके बाद ईडी इस मामले की जांच से जुड़ गई। पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी समेत टीएमसी के तीन विधायकों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। स्कूल भर्ती घोटाले में ही टीएमसी सांसद और सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से पूछताछ हुई थी।

टीएमसी के शीर्ष नेता अनुब्रत मंडल भी बोलपुर के निवासी हैं और वे गौ तस्करी के मामले में जेल में बंद हैं। अनुब्रत मंडल बीते करीब दो वर्षों से तिहाड़ जेल में बंद हैं। साथ ही अनुब्रत मंडल की बेटी सुकन्या मंडल, सहयोगी सहगल हुसैन और सीए मनीष कोठारी भी जेल में बंद हैं। ईडी ने कोलकाता, उत्तर 24 परगना, बीरभूम में पांच ठिकानों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी ने एक उद्योगपति और एक टैक्स कंसल्टेंट के आवास पर भी छापा मारा।

दिल्ली हाई कोर्ट से कांग्रेस को झटका, आयकर विभाग की कार्रवाई के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली ।
दिल्ली हाई कोर्ट ने आयकर विभाग की ओर से कांग्रेस के खिलाफ शुरू की गई पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही को चुनौती देने वाली पार्टी की याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा और न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा हम रिट याचिकाओं को खारिज करते हैं। विस्तृत आदेश का इंतजार है।

उच्च न्यायालय ने आयकर अधिकारियों की ओर से कांग्रेस के खिलाफ तीन लगातार वित्तीय वर्षों 2014-15, 2015-16 और 2016-17 के लिए शुरू की गई कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के खिलाफ पार्टी की ओर से दायर याचिकाओं पर 20 मार्च को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

कुछ समय पूर्व पार्टी के प्रवक्ता अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि आयकर विभाग ने 2018-19 के आयकर रिटर्न के आधार पर कांग्रेस और यूथ कांग्रेस के खातों को फ्रीज कर दिया है। उन्होंने कहा था कि आयकर विभाग ने इन दोनों खातों से 210 करोड़ रुपये की रिकवरी का भी आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे अकाउंट में जो भी क्राउडफंडिंग से जुटाई गई राशि है, उसे हमारी पहुंच से दूर कर दिया गया है।

माकन ने कहा था कि चुनाव के एलान से महज दो हफ्ते पहले ही विपक्षी पार्टी का अकाउंट फ्रीज कर दिया गया। यह लोकतंत्र को फ्रीज करने जैसा है। माकन ने बताया कि इस खाते में एक महीने की सैलरी भी दी है।

अगले पांच सालों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत', जी 20 के शेरपा ने किया दावा

नई दिल्ली ।
भारत अगले पांच सालों में अर्थव्यवस्था के मामले में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ देगा। ये बातें जी 20 के शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बताई हैं। दरअसल भातीय उद्योग संघ द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन कराया गया था। इस सम्मेलन में अमिताभ कांत ने कहा कि अगले पांच सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली तीन तिमाहियों में भारत बड़ी ताकत के रूप में उभरा है और 8.3 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ रहा है।

'2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा भारत'

अमिताभ कांत ने कहा है कि अगले दशक में भारत दुनिया के आर्थिक विस्तार में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारत 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें दक्षिण भारत का विकास सबसे अहम योगदान निभाएगा। अमिताभ कांत ने इस बात पर जोर दिया कि स्मार्ट शहरीकरण, और कृषि के क्षेत्र में भारत को विनिर्माण के दम पर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि एमएसएमई और एसएमई को आगे बढ़ाने के लिए भारत में बड़ी संख्या में बड़ी कंपनियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके अलावा भारत को अपने विकास के खर्च को 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2.5-3 प्रतिशत करना चाहिए।

'इन कारणों से मिला अर्थव्यवस्था को फायदा'

अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में विकास की गति को तेज करने के लिए हम वस्तु और सेवा कर लेकर आए, जिससे हमें अच्छा फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भी भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इस अभियान को शुरु करते समय भारत के पास केवल 150 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1,25,000 हो चुकी है।

एपल की बड़ी मुश्किलें

पहले मुकदमा दायर, अब शेयर बाजार में तगड़ा झटका; एक ही दिन में गंवाए 113 अरब डॉलर

वॉशिंगटन ।
आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले एपल पर उपभोक्ताओं और छोटी कंपनियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा और अब शेयर बाजार में बड़ा झटका लगा है।

एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू

दरअसल, अमेरिकी सरकार ने एपल पर एंटीट्रस्ट कानूनों का उल्लंघन करने का मुकदमा दायर किया है। अमेरिकी न्याय विभाग और 16 स्टेट अटॉर्नी जनरल ने एपल के खिलाफ एक एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू किया है। वहीं, यूरोप में कंपनी को इस बारे में जांच का सामना करना पड़ रहा है कि क्या वह क्षेत्र के डिजिटल बाजार अधिनियम का अनुपालन कर रही है।

शेयर बाजार में एपल को झटका

भारत में पिछले एक दशक में मोबाइल का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-

दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब डॉलर हो गया था, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अब एपल कंपनी के शेयर 4.1 फीसदी फिसल गए। इससे एक ही दिन में कंपनी के बाजार मूल्य में करीब 113 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

यह पहली बार नहीं है जब एपल किसी जांच के घेरे में आया है। कंपनी और उससे जुड़े लोग वर्षों से प्रतिस्पर्धियों को दबाकर खुद को लाभ पहुंचाने जैसे आरोपों का सामना कर रहे हैं। हालांकि, जैसे-जैसे एपल के उत्पाद अधिक लोकप्रिय हुए हैं और दुनिया भर में दैनिक जीवन का एक हिस्सा बन गए हैं, तब से प्रशासन भी इसके प्रति सतर्क हो गया है।

यह हैं आरोप

एपल ने एंटीट्रस्ट लॉ का उल्लंघन कई नीतियों को रिस्ट्रिक्ट और कंपटीशन को रोककर किया है, जो अन्य कंपनियों को डिजिटल वॉलेट जैसे अपने प्रोडक्ट को कंपटीट करने वाले एप्लिकेशन पेश करने से रोकती है। इससे संभावित रूप से आईफोन का मूल्य कम हो जाता।

न्यू जर्सी डिस्ट्रिक्ट के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे के अंश के अनुसार, एपल के कार्यों से उपभोक्ताओं और उसकी सेवाओं के साथ कंपटीशन करने वाली छोटी कंपनियों को नुकसान होता है। सरकार का दावा है कि एपल के इस आचरण ने पिछले कुछ वर्षों में उसके स्मार्टफोन एकाधिकार को मजबूत किया है, जिससे अनुचित लाभ हुआ है। मुकदमे के केंद्र में एपल का प्रमुख उत्पाद आईफोन है। आलोचकों का तर्क है कि एपल अपने डिवाइस पर यूजर्स एक्सपीरिएंश को सख्ती से कंट्रोल करता है। अपने ही प्रोडक्ट और सेवाओं को कंपटीटर्स से अधिक तरजीह देता है।

जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल में एंटीट्रस्ट प्रोफेसर बिल कोवासिक ने कहा कि एक साथ कई मामले सामने आने पर कंपनी को नुकसान होना तय होता है। कंपनी मुकदमे जीत भी जाती है, तब भी वह दूसरी तरीके से हार चुके होंगे।

एपल की सफाई

एपल ने अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे को गलत बताया। साथ ही चेतावनी दी की इस कार्रवाई से कंपनी की इन्वोशन की क्षमता को खतरा होगा। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी डिजाइन में सरकारी हस्तक्षेप करना एक खतरनाक मिसाल कायम कर सकती है। कंपनी ने कार्रवाई के खिलाफ सख्ती से बचाव करने की कसम खाई। हालांकि, कंपनी ने यूरोपीय जांच पर कुछ नहीं कहा।

गले में भगवा गमछा, राम भक्ति में लीन; आईपीएल 2024 से पहले सनातन रंग में रंगे दिखे डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली।
भारत में फटाफट क्रिकेट का महाकुंभ यानी आईपीएल 2024 का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है। फैंस भी क्रिकेट के इस महाकुंभ के लिए तैयार हैं। फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के लिए बेताब हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस में वह फैंस के साथ जय श्री राम बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अपने रील्स को लेकर हमेशा से चर्चा में रहते हैं। भारत के साथ उनका प्रेम जग जाहिर है। वह अक्सर हिंदी गानों पर रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते रहते हैं। वहीं, आईपीएल से पहले कुछ फैंस के साथ डेविड वॉर्नर का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ फैंस डेविड को राम नाम का भगवा गमछा भेंट करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वॉर्नर ने लगाया जय श्रीराम का नारा

वीडियो में यह भी दिख रहा है कि फैंस उन्हें अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की मोमेंटो गिफ्ट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब फैंस ने जय श्रीराम का नारा लगाया तो डेविड वॉर्नर ने भी जय श्रीराम का नारा लगाकर फैंस का साथ दिया। सोशल मीडिया पर डेविड वॉर्नर की यह अदा देख फैंस का वीडियो खूब पंसद किया जा रहा है। वीडियो को खूब शेयर किया जा रहा है।

ऋषभ पंत बनाए गए कप्तान

बता दें कि आईपीएल शुरु होने से पहले दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाईजी ने कप्तान का ऐलान कर दिया। ऋषभ पंत की वापसी पर दिल्ली ने उन्हें फिर से कप्तान बना दिया है। 23 मार्च को मोहली में दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स के साथ भिड़ने को तैयार है। दोनों टीमें मोहली पहुंच गई हैं और अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

शुभमन को अपने फैसले लेने प्रेरित करुंगा : विलियमसन

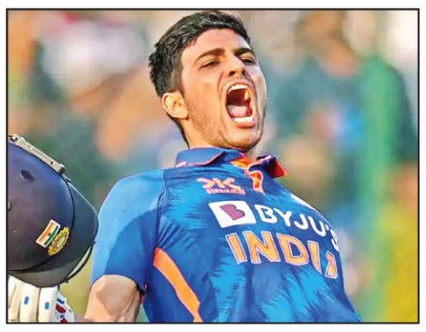

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने आईपीएल 2024 सत्र के लिए गुजरात टाइटंस के कप्तान बने शुभमन गिल की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास एक बेहतर कप्तान बनने की सभी क्षमताएं हैं। विलियमसन के अनुसार अगर इस टूर्नामेंट में शुभमन को मेरी किसी सहायता की जरुरत पड़ेगी तो मैं उपलब्ध रहूंगा। विलियमसन ने कहा, 'शुभमन एक अच्छा खिलाड़ी है और उसके पास क्रिकेट को लेकर एक अच्छा दिमाग है। मैं निश्चित तौर पर उसे इस राह पर आगे बढ़ने और अपने फैसले लेने के लिए प्रेरित करूंगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह भी ऐसा ही करने का प्रयास करेगा। पांड्या के मुंबई इंडियंस में जाने के बाद ही शुभमन को गुजरात टाइटंस का कप्तान बनाया गया था। आईपीएल में कप्तानी करना उनके लिए नया अनुभव होगा पर विलियमसन ने कहा कि गिल को जब भी उनकी मदद की जरूरत पड़ेगी, वह हमेशा इसके लिए तैयार रहेंगे। विलियमसन ने कहा, 'मुझे शुभमन की किसी भी तरह से मदद करने में बहुत खुशी होगी और शुभमन भी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं। टाइटंस ने 2022 में आईपीएल का खिताब जीता था जबकि इसके एक साल बाद वह उपविजेता रहा था। विलियमसन का मानना है कि गिल टीम को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त योग्यता रखते हैं।

साथियान ने ऐतिहासिक डब्ल्यूटीटी फीडर खिताब जीता

बेरूत। साथियान ज्ञानसेकरन डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज इवेंट में पुरुष एकल ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय पैडलर बन गए हैं। उन्होंने हमवतन मानव विकास ठक्कर को 3-1 (6-11, 11-7, 11-7, , 11-4) से हराया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान ने सेमीफाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के चुआंग चिह-युआन को 3-1 (11-8, 11-13, 11-8, 11-9) से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई थी। वहीं, मानव ठक्कर ने भी सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एएन जेह्युन को सीधे गेम में 3-0 (11-9, 11-8, 12-10) से हराया था। यह पहली मौका था, जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी फीडर इवेंट में पुरुष एकल फाइनल के लिए प्रतिस्पर्धा की। डब्ल्यूटीटी इवेंट में ज्ञानसेकरन की ये पहली पुरुष एकल सफलता और आईटीटीएफ चेक इंटरनेशनल ओपन 2021 के बाद किसी अंतर्राष्टीय रैंकिंग इवेंट में उनका पहला एकल खिताब है। मानव के लिए ये दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहा। वह तीनों फाइनल - पुरुष एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल में शामिल थे। पुरुष युगल फाइनल में, मानव ठक्कर और मानुष शाह की जोड़ी को विश्व नंबर 29 जॉर्ज कैंपोस और क्यूबा के एंडी परेरा के खिलाफ 3-1 (5-11, 11-7, 13-11, 14-12) से हार मिली। मिश्रित युगल फाइनल में, दीया चितले और मानुष शाह ने मानव ठक्कर और अर्चना कामथ को 3-1 (11-6, 10-12, 11-6, 11-6) से हराकर ख़िताब हासिल किया।

घरेलू क्रिकेट में ये बदलाव करे बीसीसीआई : गावस्कर

मुम्बई । पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू क्रिकेट में कुछ बदलाव करते हुए राज्य संघों को अनुबंध का अधिकार देने को कहा है। गावस्कर ने कहा कि, अगर राज्य संघ के पास अनुबंध का अधिकार तो उसके खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। ऐसा नहीं करने पर राज्य संघ उसे आईपीएल के लिए जरुरी नो ऑब्जेक्श सर्टिफिकेट रोक सकते हैं। साथ ही कहा कि रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए वेतन को भी एक स्लैब सिस्टम के तहत ही बढ़ाया जाना चाहिए। इससे पहले बीसीसीआई ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेटरों के लिए टेस्ट क्रिकेट इंसेंटिव स्कीम पेश की थी। वहीं गावस्कर अब चाहते हैं कि घरेलू खिलाड़ियों के पैकेज में भी आईपीएल की तरह ही बढ़ोतरी की जाये। साथ ही बीसीसीआई की तरह राज्यों के क्रिकेट संघ के पास भी केन्द्रीय अनुबंध होना चाहिये। इससे फिट होने वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य रहेगा। साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शेड्यूल में बदलाव की आवाश्यता है।

पेरिस ओलंपिक में शरत कमल होंगे भारत के ध्वजवाहक, दल की अगुवाई करेंगी मुक्केबाज मैरीकॉम

नई दिल्ली ।
अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन शरत कमल इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक होंगे। वहीं, दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को बृहस्पतिवार को देश के दल का प्रमुख (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने यह घोषणा करते हुए कहा कि यह 41 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करते समय हमारे दल की एकता और भावना का प्रतीक है।

छह बार की विश्व चैंपियन और 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम के साथ शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले शिवा केशवन को भारतीय दल का उप प्रमुख नियुक्त किया गया। आईओए ने कहा, 'मैरीकॉम का खेलों के प्रति समर्पण और प्रेरणादायी यात्रा ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए स्वाभाविक पसंद बनाती है। केशवन के पास अपार अनुभव तथा टीम प्रबंधन के साथ काम करने का ज्ञान है।

निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे गगन नारंग - ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे। ओलंपिक में निशानेबाजी रेंज मुख्य स्थल से काफी दूर है। भारत पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में अपनी सबसे बड़ी टीम भेजेगा क्योंकि देश अभी तक 19 कोटा स्थान हासिल कर चुका है। आईओए ने बयान में कहा, 'ये नियुक्तियां अनुभव, विशेषज्ञता और नेतृत्व कौशल को देखकर की गई हैं जो वैश्विक मंच पर हमारे खिलाड़ियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।'

पीटी उषा का बयान - आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने इन नियुक्तियों के संबंध में कहा, 'हम पेरिस ओलंपिक खेलों में हमारे दल का नेतृत्व करने के लिए अधिकारियों की इतनी प्रतिष्ठित और क्षमतावान टीम पाकर बहुत खुश हैं। खेलों में उनकी विशेषज्ञता, समर्पण और जुनून निश्चित तौर पर हमारे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

गुजरात ने मिंज के बदले शरत को शामिल किया, आरआर में ज़म्पा की जगह कोटियन

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 17वें सीजन के लिए रॉबिन मिंज के स्थान पर बी आर शरत को नामित किया, जबकि तनुष कोटियन एडम ज़म्पा के स्थान पर राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए। शरत और कोटियन क्रमश: 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए। घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज शरत ने अब तक 20 प्रथम श्रेणी मैचों और 43 लिस्ट ए मैचों के अलावा 28 टी20 मैच खेले हैं और उनके नाम पर 328 टी20 रन दर्ज हैं। कोटियन, जिन्होंने हाल ही में मुंबई के 42वां रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई अब, 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर आरआर में शामिल हुए। उन्होंने 23 टी20, 26 प्रथम श्रेणी मैच और 19 लिस्ट ए मैचों में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया है। एडम ज़म्पा ने निजी कारणों से आईपीएल 2024 से अपना नाम वापस ले लिया। दूसरी ओर, गुजरात के अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज रॉबिन मिंज इस महीने की शुरुआत में बाइक दुर्घटना का शिकार हो गए। मिंज आईपीएल का हिस्सा बनने वाले आदिवासी समुदाय के पहले खिलाड़ी बन गए थे, जब पिछले दिसंबर में खिलाड़ियों की नीलामी में टाइटंस ने उन्हें 3.6 करोड़ रुपये में चुना था।

राहुल के पास आईपीएल से टी20 विश्वकप में जगह बनाने का अवसर : लैंगर

नई दिल्ली।
लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि अगर राहुल आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और टीम को जीत दिलाते हैं तो आगामी टी20 विश्वकप में उन्हें जगह मिलना तय है। राहुल चोटिल होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर हैं। ऐसे में टी20 टीम में चयन के लिए उन्हें आईपीएल में अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग करनी होगी।

राहुल टीम के कप्तान भी हैं, ऐसे में उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां भी हैं जिसको देखते हुए उनपर दबाव भी रहेगा ऐसे में बेहतर प्रदर्शन आसान नहीं होगा। इसपर लैंगर ने कहा कि यह कठिन नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को लाभ होता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है। राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी टी20 विश्वकप के लिए दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा, 'राहुल या बिश्नोई के लिए साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान दें इससे टी20 विश्व कप टीम में जगह हासिल करना आसान होगा। वहीं लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे मतभेद हो सकते हैं। इसपर लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान को जानते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे बीच कोई मतभेद नहीं होंगे। उनके टीम छोड़ने से मैं दुखी हूं पर वह केकेआर का असली नायक है। हम दोनों अच्छे दोस्त भी रहे हैं।

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे श्रीकांत और राजावत

बेसल।
शीर्ष भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत और युवा खिलाड़ी प्रियांशु राजावत बीडब्ल्यूएफ स्विस ओपन, सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। दुनिया में 27वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने 10वें नंबर के खिलाड़ी मलेशियाई ली जी जिया को केवल 36 मिनट में सीधे सेट में 21-16, 21-15 से हराया। दूसरी ओर, राजावत ने दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी चीन के लेई लांक्सी को सीधे गेम में 21-14, 21-13 से हराया।

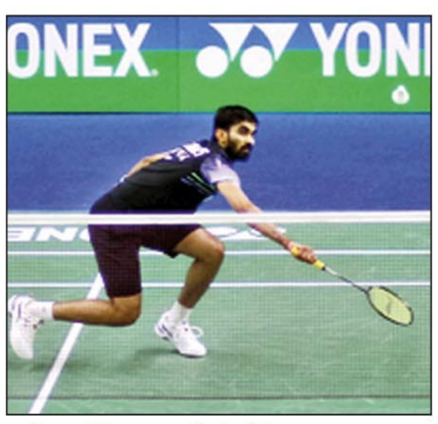

22 वर्षीय राजावत ने पहले दौर में हांगकांग के विश्व नंबर 14 ली चेउक यियू के खिलाफ बाजी मारी थी। ली साल की शुरुआत में इंडिया ओपन में फाइनलिस्ट थे।

श्रीकांत का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के चिया हाओ ली से होगा, जिन्होंने लक्ष्य सेन को सीधे गेम में 21-17, 21-15 से हराकर बाहर कर दिया। राजावत का मुकाबला ताइपे के एक अन्य शटलर चाउ टीएन चेन से होगा।

एक अन्य पुरुष एकल शटलर किरण जॉर्ज ने एलेक्स लैनियर पर कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 22-20, 21-18 से जीत के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका अगला मुकाबला डेनमार्क के रासमस गेम्के से होगा।

इस बीच, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का अभियान यहां जापान की टोकोमा मियाजाकी से हारकर प्री-क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया।

सिंधु को दुनिया की 27वें नंबर की जापानी शटलर के खिलाफ एक घंटे और 19 मिनट तक चले मैच में 21-16, 19-21,16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

यह उनकी 16वें दौर में लगातार दूसरी हार थी। पिछले सप्ताह ऑल इंग्लैंड ओपन में भारतीय खिलाड़ी को दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

अफगानिस्तान के साथ भारत के गोल रहित ड्रा से निराश नहीं हैं स्टिमैक

नई दिल्ली ।
भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमैक 2026 फीफा विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर के ग्रुप ए मैच में डैमैक स्टेडियम में मेजबान अफगानिस्तान के साथ गोल रहित ड्रॉ खेलने के बाद निराश नहीं हैं। इस परिणाम के साथ, भारत ग्रुप ए में तीन मैचों में चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया, उसके बाद कुवैत है, जिसके इतने ही मैचों में तीन अंक हैं। भारत के लिए, इसका मतलब अस्थायी रूप से ग्रुप ए में कुवैत से तीन अंक आगे दूसरा स्थान हासिल करना होगा, जो इससे पहले रात में कतर के खिलाफ 0-3 से हार गया था। अफगानिस्तान के लिए तीन अंक उन्हें कुवैत और भारत के बराबर ला देंगे, जिससे समूह में दूसरे स्थान की दौड़ तीन-तरफ़ा लड़ाई बन जाएगी। स्टिमैक ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैच दिलचस्प था। मैं अंत में परिणाम से निराश नहीं हूं क्योंकि हमने तीन, चार बहुत अच्छे मौके बनाए। हम स्कोर नहीं कर सके, जो स्पष्ट है और यह समस्या कई वर्षों से हमारा पीछा कर रही है। हालाँकि, 56 वर्षीय खिलाड़ी ने फ़ाइनल थर्ड में तेज प्रदर्शन करने में टीम की असमर्थता पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा, हमने सभी उपलब्ध खिलाड़ियों को आजमाया, जो हमारे पास अग्रिम पंक्ति में थे, लेकिन यह आज काम नहीं आया। कुछ चीजों में हमें स्पष्ट रूप से सुधार करने की जरूरत है क्योंकि आक्रामक योजना में आज हमने सरल चीजों को जटिल बना दिया है, और मैं उसके बारे में खुश नहीं हूं। मैच के बाद, स्टिमैक ने स्वीकार किया कि कमज़ोर ड्रा के बावजूद, एक सकारात्मक बात थी - मैदान पर भारतीय रक्षकों का संतुलित प्रदर्शन। उन्होंने पुष्टि की, डिफेंडरों ने अच्छा प्रदर्शन किया और

कुछ भी नहीं दिया, लेकिन हमें पास देने में बेहतर होना चाहिए, मौके बनाने में बेहतर होना चाहिए और जब क्रॉस आ रहे हों तो बॉक्स से हमला करने में बिल्कुल बेहतर होना चाहिए। आगे देखते हुए, भारत 26 मार्च को घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान से भिड़ेगा, जिसमें स्टिमैक और टीम अपनी कमियों को दूर करने और आगामी मैचों में एक मजबूत प्रदर्शन देने के लिए दृढ़ है।

अर्जेंटीना का बॉस बने रहने के फैसले में मेसी की अहम भूमिका स्कालोनी

वाशिंगटन।
लियोनेल स्कालोनी ने लियोनेल मेसी सहित वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ बातचीत की और एक साल बाद अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के मैनेजर बने रहने के लिए उनके उत्साह को फिर से जगाया, जिसे उन्होंने मुश्किल बताया। नवंबर में, स्कालोनी ने खुलासा किया था कि वह रियो डी जेनेरो के माराकाना स्टेडियम में फीफा विश्व कप क्वालीफायर में ब्राजील पर एल्बीसेलेस्टे की 1-0 की जीत के बाद अपनी नौकरी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। लेकिन फिलाडेल्फिया में अल साल्वाडोर के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैच से पहले बोलते हुए, 45 वर्षीय ने अपने भविष्य के बारे में किसी भी संदेह को दूर कर दिया। स्कालोनी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने लियो [मेसी] और अन्य खिलाड़ियों से बात की। मेसी टीम के कप्तान हैं। मैंने अन्य खिलाड़ियों से भी बात की, एंजेल डि मारिया, लुटारो

[मार्टिनेज], (निकोलस) ओटामेंडी, रोड्रिगो डी पॉल के साथ। वे ऐसे लोग हैं जिन पर मैं बहुत भरोसा करता हूं, जिनसे मैं बहुत प्यार करता हूं। वे पहले दिन से ही हमारे साथ हैं। मुझे उनसे बात करने और अपने विचार साझा करने की जरूरत थी।

स्कालोनी, जिन्होंने नवंबर में सुझाव दिया था कि उनके पास जारी रखने के लिए ऊर्जा की कमी है, ने जोर देकर कहा कि उन्होंने छोड़ने के बारे में कभी गंभीरता से नहीं सोचा था।

लेकिन उन्होंने कहा कि कतर में 2022 विश्व कप में अर्जेंटीना को गौरव दिलाने के बाद उन्होंने अप्रत्याशित दबाव महसूस किया था, जिससे फुटबॉल के अंतिम पुरस्कार के लिए दक्षिण अमेरिकी देश का 36 साल का इंतजार खत्म हो गया। उन्होंने समझाया, यह एक कठिन वर्ष के बाद चिंतन का क्षण था। यह कहना पागलपन है कि विश्व कप जीतने के बाद यह एक कठिन वर्ष था, लेकिन यह एक कठिन वर्ष था। हम उन लोगों से मिले जिनसे हमने सोचा था कि हमें बात करनी चाहिए, हमने अपनी चिंताओं पर चर्चा की और सबसे महत्वपूर्ण बात यह जानना है कि हम सभी जारी रखने के लिए मजबूत थे। आप कभी नहीं जानते कि भविष्य में क्या होगा लेकिन अभी के लिए मैं जारी रख रहा हूं। अल साल्वाडोर के साथ अर्जेंटीना की भिड़ंत के बाद अगले लॉस एंजेलिस में कोस्टा रिका के खिलाफ एक और दोस्ताना मैच खेला जाएगा।

ऋषभ पहले की तरह ही शॉट लगा रहे : पोंटिंग, लय हासिल करने अतिरिक्त प्रयास भी किये

नई दिल्ली । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने इसपर खुशी जतायी है कि कप्तान ऋषभ पंत पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट लगा रहे हैं। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ ने कार हादसे से उबरने के बाद जिस प्रकार से आईपीएल से मैदान पर वापसी की है जिससे टीम भी उत्साहित है। साथ ही कहा कि वह पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट खेल रहे रहे हैं जिन्हें वह पहले खेला करते थे। उन्होंने सर्जरी के बाद अपने शरीर को फिट करने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी किये हैं। वह कार हादसे के कारण ही गत वर्ष आईपीएल से बाहर थे। पोंटिंग ने कहा, 'वह पूर्व में आईपीएल से पहले जितनी बल्लेबाजी करता था उसकी तुलना में उसने पिछले सप्ताह काफी अधिक बल्लेबाजी की जिससे वह लय हासिल कर सके। इसके जरिये वह फिर से अपने शरीर को खेल के अनुरुप ढ़ालना चाहता है। वह कभी हार नहीं मानने वाला खिलाड़ी है और सबसे अहम बात यह है कि उसके चेहरे पर मुस्कान है जिसे हम सभी देखना पसंद करते हैं।'दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने फिटटेस टेस्ट में पास होने पर ऋषभ को दोबारा कप्तान बनाने की घोषणा की थी। पिछले सत्र में उनके नहीं खेलने से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वॉर्नर ने की थी।

होली की मस्ती में बच्चों का रखें ख्याल

होली की मस्ती में बच्चों का ख्याल रखें क्योंकि बच्चों के लिए होली का खास महत्व होता है और बच्चे इस त्योहार में जमकर मस्ती करते हैं। होली बच्चों का मनपसंद त्योहार भी होता है। बच्चे कई दिन पहले से ही हाथों में पिचकारी लेकर होली के रंग में रंग जाते हैं। लेकिन इस मस्ती और जोश में बच्चे अपने स्वास्थ्य के प्रति बिलकुल लापरवाह हो जाते हैं। केमिकलयुक्त रंग और गुलाल जो कि देखने में खूबसूरत होते हैं हमारी आंखों और त्वचा के लिए नुकसानदायक होते हैं। अगर बच्चों के खान-पान पर भी ध्यान नहीं दिया गया तो बच्चों का हाजमा बिगड सकता है। मस्ती के इस त्योहार में अगर बच्चों का ख्याल आप नहीं रख पाये तो होली का मजा किरकिरा हो सकता है। इसलिए बच्चों को होली के दिन बाहर रंग खेलने जाने से पहले पूरी तरह सावधानी बरतना जरूरी है। हम आपको बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कुछ टिप्स बता रहे हैं।

होली में ऐसे करें बच्चों की देखभाल -

होली में आपका बच्चा अपनी पिचकारी के साथ घर से निकले तो यह जांच लीजिए कि वह केमिकलयुक्त रंगों का प्रयोग तो नहीं कर रहा है। इन खतरनाक रंगो के इस्तेनमाल से त्वचा में जलन, गंजापन, एलर्जी होने की गुंजाइश रहती है। बेहतर होगा कि बच्चों को हर्बल रंग खरीद कर दीजिए।

होली की मस्तीद में बच्चे यह भूल जाते हैं कि उनको अपने पडोसियों के साथ कैसा व्यहवहार करना चाहिए। बच्चों को समझाइए अगर कोई रंग नहीं खेलना चाहता या बीमार है तो उससे जबरदस्ती न करें।

कई बच्चे जब आपस में मिलकर एक साथ होली खेल रहें हों तो कोशिश यह कीजिए आप वहां पर मौजूद रहें। बच्चों पर हमेशा ध्यान रखें की कहीं उनके आंखों या फिर मुंह में रंग न चला गया हो।

» बच्चे के पूरे शरीर में सरसों के तेल का लेप या माश्चराइजर क्रीम लगा दीजिए, इससे रंग जल्दी छूटता है।

» होली खेलने से पहले बच्चे को ऐसा कपडा पहनाइए जिससे उसका पूरा शरीर और बाल ढकें हों। बच्चों को नए कपडे की बजाय पुराने कपडे ही पहनाएं क्यों कि नए कपडे ज्यादा रंग सोखते हैं।

» बच्चों के साथ घर में होली खेलने की बजाय किसी पार्क या खुले स्थान का ही प्रयोग कीजिए।

» कुछ बदमाश बच्चे होली में रंगो के बजाए गंदगी का प्रयोग करते हैं। अगर आप के बच्चे भी अंडा, मिट्टी, नाले या गंदे पानी का प्रयोग करना चाहें तो उनको तुरंत रोकिए।

» वह बच्चे जिनको चोट लगी हो या फिर मुंहासे आदि हों तो उन्हें डॉक्टार से सलाह लेकर ही होली खेलने दें। कुछ रंग इतने हानिकारक होते हैं कि वह त्वचा के माध्यम से अंदर प्रवेश कर शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

» होली में बच्चों को रसायनयुक्त रंगों की बजाय घर में ही ईको फ्रैंडली रंग बनाकर दीजिए।

» बच्चों को गुब्बारों में रंग भरकर होली न खेलने दीजिए। क्योंकि कई बार गुब्बारा फूटने से चोट लग सकती है और रंग आंखों में जा सकता है।

बच्चे अक्सर होली खेलते-खेलते कुछ खा लेते हैं जिससे रंग पेट में चला जाता है और खतरनाक साबित हो सकता है। होली खेलने का असली मजा तभी है जब बच्चों के साथ प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करके सुरक्षित होली खेली जाए।

इस बार होली के रंग होंगे सेहत के संग

होली के दौरान सेहत का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। होली के दौरान तो आप उत्साह में सब भूल जाते हैं लेकिन परेशानी का सबब बनता है बाद में। आपको होली के बाद शुरू होती है कई परेशानियां। ऐसे में आप ना सिर्फ स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं बल्कि आप होली के दौरान त्वचा संबधी, बालों संबंधी समस्याओं से ग्रसित हो सकते हैं। आपको चाहिए कि आपके होली के रंग, सेहत के संग हो। यानी आपकी होली ऐसी निराली हो जिससे आपकी सेहत भी बरकरार रहे। आइए जानें उन उपायों को जिनसे होली के दौरान आपको कोई समस्या भी ना हो और आपके होली के रंग, सेहत के संग सेलिब्रेट हो।

होली खेलने से पहले बरते सावधानियां

सनस्क्रीन लोशन लगाएं

आपको होली के रंगों से सराबोर होने से पहले अपने चेहरे, हाथों और शरीर के खुले हिस्सों पर मॉश्चराइजर क्रीम या फिर सनस्क्रीन लोशन अच्छी? तरह से लगाना चाहिए। क्रीम को लगभग 10 मिनट तक त्वचा पर रगड़े और उसके बाद कुछ देर सूखने दें। ये उपाय ना सिर्फ आपको होली के रंगों से होने वाली साइड इफेक्ट्स से बचाएगा बल्कि आपको धूप के नुकसान से भी बचाएगा।

तेल भी है बढ़िया विकल्प

आप यदि लोशन या क्रीम नहीं लगाना चाहते तो आप तेल भी लगा सकते हैं, इसके लिए आपको चाहिए कि आप शरीर के खुल हिस्सों पर ऑयल लगाएं, इससे आपकी त्वचा पर रंग नहीं चढ़ेगा।

पूरे आस्तीन के कपड़े है जरूरी

होली के रंग में आपकी सेहत भंग ना हो तो आपको चाहिए कि आप फुल स्लीव्स के कपड़े पहनें। इससे आप धूप और कृत्रिम रंग दोनों से बच जाएंगे।

हल्के रंगों का करें इस्तेमाल

आपको होली को हेल्दी बनाने के लिए चाहिए कि आप होली पर सूखे और हल्के रंगों का इस्तेमाल करें। इसके लिए गुलाल बढ़िया विकल्प है।

होंठों की देखभाल भी है जरूरी

होली के दौरान चेहरे के साथ ही होंठ भी आपकी सुंदरता में चार चांद लगाते हैं लेकिन होंठ, होली के रंगों से फट सकते हैं या फिर खराब हो सकते हैं। ऐसे में आपको चाहिए? कि आप होंठो पर वैसलीन लगाएं और कुछ-कुछ देर में होंठों पर इसे लगाते रहें। इससे आपके होंठ सुरक्षित रहेंगे।

आंखें की करे देखरेखहर्बल रंगों का इस्तेमाल करेंजलन होने पर चेहरा धोएं

इसके लिए आपको चाहिए कि आप अपनी आंखों में रंग को जाने से बचाएं। यदि होली खेलने के दौरान रंग आंखों में चला भी जाता है तो आपको चाहिए कि तुरंत साफ पानी से आंखें धो लें। यदि पानी से धोने के बाद भी आपकी आंखों में जलन होती है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर आंखों में आई ड्रॉप डालें। आप जब रंग खरीदने जाएं तो ध्यान रखें कि हर्बल रंग ही खरीदे ये थोड़े महंगे जरूर होंगे लेकिन
से ह त म ं द

होगे। अपने दोस्तों को भी इस बात के लिए प्रेरित करें कि वे हर्बल रंग ही खरीदें। आप चाहे तो नॉन टॉक्सिक कलर्स भी ले सकते हैं। यदि चेहरे पर या त्वचा पर रंग लगने पर जलन होती है तो आपको चाहिए कि आप तुरंत जलन वाले हिस्से को धोएं और उस पर क्रीम या कैलामाइन लोशन लगाएं। आप चाहें तो ऐलोवेरा जैल भी लगा सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप निश्चित तौर पर होली के रंग, सेहत के संग खेल सकते हैं।

होली पर मिलावटी मिठाइयों से दूर रहें

होली में जहां एक ओर रंगों की फुहार का लोग मजा लेते हैं वहीं दूसरी तरफ बिना मिठाइयों और गुझियों के होली अधूरी लगती है। पहले लोग त्योहारों पर घर में ही मिठाइयां बनाते थे लेकिन समय के अभाव में ज्यादातर लोग बाजार से ही बनी हुई गुझिया व मिठाई लेकर आते हैं। लेकिन आजकल बाजार में मौजूद मिठाइयां बहुत मिलावटी हो गई हैं जिनके सेवन से कई प्रकार की बीमारियां हो जाती हैं। मिलावटी मिठाई खाने से पेट संबंधी कई बीमारियां हो जाती हैं और फूड प्वाइजनिंग का खतरा बढ जाता है। मिलावट होने पर भी लोग मिठाइ बाहर से ही खरीदते हैं। इन मिठाइयों की खुशबू और डिजाइन देखकर लोग ज्यादा खा लेते हैं जो कि नुकसानदायक होता है। इसलिए होली में जहां तक संभव हो मिलावटी मिठाइयों से दूर रहें।

» मिलावटी मिठाई से नुकसान

मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से सबसे ज्यादा नुकसान लीवर को होता है। लीवर में सूजन आ जाती है।

» मिलावटी खाद्य पदार्थ खाने से आंतों में संक्रमण हो जाता है, जिसके चलते आंतों में सूजन आ जाती है और उसमें छेद हो सकता है।

» मिलावटी मिठाई खाने से पीलिया होने की संभावना ज्यादा हो जाती है।

» सिंथेटिक दूध के इस्तेमाल से कैंसर होने का खतरा बढ जाता है।

» मिलावटी मिठाई के सेवन से फूड प्वाइजनिंग के अलावा उल्टी व दस्त भी हो सकता है।

» होली में मिलावटी मिठाई, पनीर व घी खाने से सिर दर्द, पेट दर्द व त्वचा रोग हो सकते हैं।

» मिलावटी मिठाई खाने से शरीर में सूजन हो सकती है।

» महिलाओं की माहवारी में दिक्कत हो सकती है।

» ज्यादा मिलावटी मिठाई खाने से खून की कमी भी हो सकती है।

मिलावटी खाद्य-पदार्थ कैसे बनते हैं

होली में ज्यादातर व्यंजन दूध से बने होते हैं। मिलावटी मावा बनाने के लिए दूध की बजाय दूध पाउडर रसायन, आलू, शकरकंद, रिफाइंड तेल आदि प्रयोग किए जाते हैं। सिंथेटिक दूध बनाने के लिए पानी में डिटर्जेंट पाउडर, तरल जेल, चिकनाहट लाने के लिए रिफाइंड व मोबिल आयल एवं एसेंट पाउडर डालकर दूध को बनाया जाता है। यूरिया का घोल व उसमें पाउडर व मोबिल डालकर भी सिंथेटिक दूध तैयार किया जाता है। इसमें थोड़ा असली दूध मिलाकर सोखता कागज डाला जाता है। इससे नकली मावा व पनीर भी तैयार किया जाता है।

कैसे पहचानें मिलावटी खाद्य-पदार्थ

मावे में मिलावट की पहचान आयोडीन जांच या फिर चखकर उसके स्वाद और रंग से किया जा सकता है। सामान्य तौर पर लोग आयोडीन की जांच नहीं कर पाते। लेकिन मिलावटी मावे से बचने के लिए उसे पूरी तरह जांच परख लीजिए। मिलावटी या नकली मावे का स्वाद व रंग सामान्य से विभिन्न और कुछ खराब होता है। मिलावटी खोवे को उंगलियों में लेकर रगडें यदि उसमें चिकनापन नहीं है तो समझो वह नकली है।

होली के त्योहार में मिलावटी मिठाइयों का सेवन आपको अस्पताल पहुंचा सकता है। इसलिए कोशिश यही होनी चाहिए की होली के व्यंजनों को घर पर ही बनाइए।

होली में अपनी त्वचा बालों को न करें नजरअंदाज

होली में लोग इस कदर रंगों में सराबोर हो जाते हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि ये रंग आपके चेहरे व बालों के लिए कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए होली खेलने से पहले व बाद में आपकी त्वचा को खास ख्याल की जरूरत होती है। होली खेलने के बाद भी त्वचा बहुत रुखी हो जाती है। आईए जानें होली पर कैसे रखें अपनी त्वचा का खास ख्याल।

»होली खेलने से पहले अपने हाथ-पैर, चेहरे, और शरीर पर अच्छे से नारियल या सरसों का तेल या बॉडी लोशन लगा लें।

»बालों को रंगों से बचाने के लिए नारियल तेल, सरसों के तेल या जैतून के तेल अच्छे से लगाएं।

»रंग खेलने के बाद नहाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग कर सकते हैं। त्वचा पर भिगोई हुई मुल्तानी मिट्टी लगाएं और थोड़ी देर सूखने दें। फिर उसे धो लें। इससे रंग छुड़ाने में काफी मदद मिलेगी।

»संभव हो तो बालों को रंगो से बचाने के लिए बालों को ढककर होली खेलें।

होली में रंग रोमछिद्रों में चले जाते हैं। ऐसे में आप चेहरे पर भाप ले सकती हैं जिससे रोमछिद्र खुल जाएंगे और रंग आसानी से निकल जाएगा।

»शरीर से रंगों को छुड़ाने के लिए सौम्य साबुन का इस्तेमाल करें।

»बालों से रंग निकालने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। शैंपू के बाद कंडीशनर लगाना नहीं भूलें।

»रंग खेलने के बाद नहाने के लिए गर्म पानी की बजाय ठंडे पानी का इस्तेमाल करें।

»रंग छुडाने के लिए आप उबटन का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे त्वचा को कोई नुकसान भी नहीं होगा। उबटन के लिए बेसन में नींबू व दही मिलाकर उबटन बना लें और धीरे-धीरे रगड़ें। रंग आसानी से छूट जाएगा।

»सिर से जितना सूखा रंग झाड़ सकते हैं, निकाल दें। उसके बाद सूखे, मुलायम कपड़े से रंग साफ कर लें। रंगों को आहिस्ता से छुड़ाएं, ज्यादा जोर से रगडने पर त्वचा में जलन होने लगती है और अधिक रगड़ से त्वचा छिल भी जाती है।

»नींबू का रस और दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे लगाकर रंग छुड़ाएं फिर नहा लें। इससे भी रंग उतर सकता है।

»नारियल के तेल या दही से त्वचा को धीरे-धीरे साफ कर सकते हैं।

»बालों से रंग निकालने के लिए बेसन या दही-आंवले (एक रात पहले भिगोकर रखे आंवले) से भी सिर धो सकते हैं। इसके बाद बालों में शैंपू करें।

» नहाने के बाद त्वचा रुखी हो जाती है ऐसे में चेहरे पर मॉइश्चराइजर और हाथ-पैरों में बॉडी लोशन लगाएं ।

होली से पहले बालों की देखभाल

होली आने वाली है, सभी लोग रंगो की मस्ती में मस्त हो जाते हैं। लेकिन एक टेंशन सबको रहती है कि होली में अपने बालों को रंगों से कैसे बचाएं। रंगों में इतने केमिकल मिले होते हैं कि उससे आपके बाल रुखे और बेजान हो सकते हैं। ऐसे में आपको जरूरत है अपने बालों का खास ख्याल रखने की। आईए जानें कैसे होली खेलने से पहले बालों का कैसे रखें खास ख्याल।

बालों में तेल लगाएं

होली खेलने से पहले अपने बालों में अच्छे से तेल लगाएं। आप नारियल का तेल या जैतून का तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आपको नारियल का तेल नहीं पसंद तो आप जोजबा व रोजमेरी के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। तेल को स्कैलप व बालों में अच्छी तरह लगाएं जिससे रंग बालों के अंदर तक नहीं जाएगा और नहाते समय रंग निकलने में भी आसानी होगी।

हर्बल रंगो का प्रयोग करें

कोशिश करें कि हर्बल रंगों से ही होली खेलें। आप चाहें तो घर पर हर्बल रंग तैयार कर सकती है और उससे ही अपने दोस्तों के साथ होली खेल सकती हैं। या अगर आप बाजार से हर्बल रंग खरीद रहीं है तो खरीदने से पहले देख लें रंग पाउडर या मैदे जैसे मुलायम हों। रसायनिक रंगों से आपके बालों की चमक खत्म हो जाती है। बाल रुखे और बेजान से लगने लगते हैं।

बालों को ढक लें

अगर आप चाहती है कि आपके बालों में थोड़ सा भी रंग नहीं जाए तो आप होली खेलते समय अपने बालों का ढक सकती है। यह सबसे अच्छा तरीका है बालों को रंगो से बचाने का। होली खेलते समय आप तौलिया या दुपट्टे से अपने बालों को ढक लें या कैप लगा लें। इससे रंग बालों में नहीं जाएगा।

तुरंत निकालें रंग

अगर आपके बालों में रंग चला गया है तो उसे जल्द से जल्द निकालने की कोशिश करें। क्योंकि जितनी देर तक रंग आपके बालों में रहेगा वो नुकसान करेगा।

बालों को साफ रखें

रंग खेलने से पहले किसी अच्छे शैंपू से बालों को धो लें। इससे बालों में जो पहले से गंदगी या फिर रूसी का साफ होना जरुरी है, नहीं तो रंगों के साथ वह भी बालों में चिपक जाएगी जिससे फंगल इंफेक्शन या फिर बालों के कमजोर होने का खतरा हो सकता है।

बालों को बांध कर रखें

अगर आपके बाल लंबे हैं उन्हें बांध कर ही होली खेलें। बाल बांधने से बालों की जड़े छिप जाएंगी। इससे बालों की जड़ों में रंग नहीं जा पाएगा और बालों को नुकसान नहीं पहुंचेगा।

इको फ्रैंडली होली प्लीज

होली का नाम सुनते ही रंगों और मस्ती का माहौल याद आ जाता है। होली में रंग खेले बगैर रहें तो होली एकदम अधूरी सी लगती है। होली में कई प्रकार के रंगों का प्रयोग होता है, जिनका असर कई दिनों तक कम नहीं होता है। बेशक रंग खेलने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन ये रंग स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं। बाजार के रंगों में इतना ज्यादा केमिकल का प्रयोग होता है कि वह हेल्थ के लिए बहुत खतरनाक होता है।

कई रंग तो एलर्जी पैदा करते हैं। होली का मजा और आता है जब आप सूखे रंगों से होली खेलें, इससे कई लीटर पानी बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा इस बार होली में आप अपने घर में प्राकृतिक वस्तुओं का इस्तेमाल करके इको फ्रेंडली रंग तैयार करके होली खेल सकते हैं। इससे स्वास्थ्य को भी कोई खतरा नहीं रहेगा और आपकी होली सुरक्षित होगी।

कैसे बनाएं प्राकृतिक रंग

प्राकृतिक जडी-बूटियों और फूल पत्तियों को मिलाकर रंग तैयार कर इको फ्रेंडली होली का मजा लीजिए। आईए हम आपको बताते हैं कि कैसे आप अपने घर में ही रंग तैयार कर सकते हैं ।

पीला रंग : एक टीस्पून हल्दी में चार टीस्पून बेसन मिलाकर पीला रंग तैयार कर सकते हो।

गेंदे या टेसू के फूल की पंखुड़ियों को पानी में उबालकर प्राकृतिक पीला रंग बनाया जा सकता है।

अनार के छिलकों को रातभर पानी में भिगोकर भी पीला रंग तैयार किया जा सकता है।

गेंदे के फूल की पत्तियों को मिलाकर पीला रंग बनाया जा सकता है।

गुलाबी रंग : चुकंदर के टुकड़े काटकर पानी में भिगोकर गहरा गुलाबी रंग बनाया जा सकता है।

प्याज के छिलकों को पानी में उबालकर भी गुलाबी रंग बनाया जा सकता है।

लाल रंग : लाल चंदन के पाउडर को लाल रंग के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें पानी मिलाकर लाल गीला रंग बनाया जा सकता है।

टमाटर और गाजर के रस को पानी में मिलाकर भी होली खेली जा सकती है।

लाल अनार के छिलकों को मजीठे के पेड की लकडी के साथ उबालकर लाल रंग बनाया जा सकता है।

हरा रंग : मेंहदी में बराबर मात्रा में आटा मिलाकर हरा रंग बनाइए। सूखी मेंहदी त्वचा पर लगने पर कोई नुकसान भी नहीं होता है। मेंहदी में पानी मिलाकर गीला रंग भी तैयार किया जा सकता है।

भूरा रंग : आमतौर पर कत्था पान खाने में प्रयोग किया जाता है। लेकिन कत्थे में पानी मिलाकर गीला भूरा रंग तैयार किया जा सकता है। इसके अलावा चायपत्ती का पानी भी भूरा रंग देता है।

काला रंग : आंवले को लोहे के बर्तन में रातभर के लिए भिगो दो। सुबह आंवलों को पानी से निकाल कर अलग कर दो। आंवले के पानी में थोड़ा और पानी मिलाकर प्राकृतिक रंग तैयार किया जा सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**